● वर्ष : 17 ● अंक : 90 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शनिवार 17 जनवरी 2026

देश की अर्थव्यवस्था और समाज के भविष्य के इंजन हैं स्टार्टअप्स : प्रधानमंत्री मोदी

अब स्टार्टअप को उत्पादन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत, बनाए वैश्विक मानकों वाले उत्पादः मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

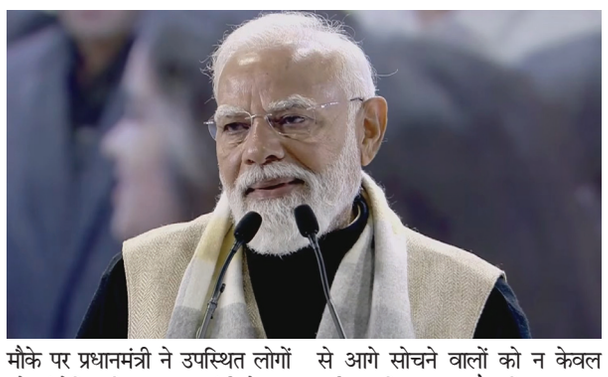

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत में अब स्टार्टअप को उत्पादन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने की ज्यादा आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें नए और दुनिया के श्रेष्ठतम गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार करने होंगे। राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के मौके पर आज प्रधानमंत्री मोदी ने यहां भारत मंडपम में आयोजित स्टार्टअप इंडिया पहल के एक दशक पूरे होने से जुड़े कार्यक्रम में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले केवल बड़े घराने के बच्चे ही नया व्यवसाय और उद्यम शुरू करते थे और मध्यम वर्ग व गरीब परिवारों के अधिकतर बच्चे नौकरी पाने का सपना ही देखा करते थे। लेकिन स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम ने इस मानसिकता को बदला है और इस कारण आज युवा स्टार्टअप के माध्यम से वास्तविक समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान स्टार्टअप इकोसिस्टम के सदस्यों के साथ बातचीत की। कुछ चुने हुए स्टार्टअप प्रतिनिधियों ने अपनी उद्यमी यात्रा के अनुभव को साझा किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने नए स्टार्टअप्स में महिलाओं की लगातार बढ़ती भूमिका को गौरव का विषय बताते हुए कहा कि आज 45 प्रतिशत नए स्टार्टअप में महिला या निदेशक या फिर पार्टनर हैं। भारत महिला भागीदारी के हिस्से के तौर पर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको तंत्र बन गया है। प्रधानमंत्री ने देश के स्टार्टअप मिशन को रेनबो मिशन की संज्ञा दी और कहा कि इसने विविध क्षेत्रों को आपस में जोड़ा है और नए अवसर पैदा किए हैं। उन्होंने देश के युवाओं की जोखिम उठाने की प्रवृत्ति की सराहना करते हुए कहा कि आज मासिक वेतन से आगे सोचने वालों को न केवल स्वीकार किया जाता है बल्कि सम्मान भी दिया जाता है। पहले जोखिम भरे विचारों को लोग फ्रिंज (अटपटी) नजर से देखते थे लेकिन अब वह फैशन बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 सालों में स्टार्ट ऑफ इंडिया मिशन एक रिवॉल्यूशन बन चुका है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। स्टार्टअप की संख्या 500 से बढ़कर अब 2 लाख हो गई है और 125 एक्टिव यूनिकॉर्न के साथ भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश है जहां इतनी बड़ी संख्या में यूनिकॉर्न है। अकेले साल 2025 में ही 44 स्टार्टअप रजिस्टर हुए हैं।

दार्शनिक तिरुवल्लुवर को प्रधानमंत्री मोदी सहित कई नेताओं ने की श्रद्धांजलि अर्पित

नई दिल्ली। तिरुवल्लुवर दिवस के अवसर पर महान तमिल संत, कवि और दार्शनिक तिरुवल्लुवर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत विपक्ष ने शुक्रवार को उनके योगदान को याद करते हुए नमन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तिरुवल्लुवर दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि तिरुवल्लुवर बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, जिनके कार्य और आदर्श असंख्य लोगों को प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि तिरुवल्लुवर एक ऐसे समाज में विश्वास करते थे जो सौहार्दपूर्ण और दयालु हो तथा वे तमिल संस्कृति का सर्वोत्तम प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री ने लोगों से तिरुक्कुरल पढ़ने का आग्रह करते हुए कहा कि यह महान तिरुवल्लुवर की उत्कृष्ट बुद्धि की झलक देता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तिरुवल्लुवर को महान तमिल संत, कवि और दार्शनिक बताते हुए कहा कि अपनी अमर कृति तिरुक्कुरल के माध्यम से उन्होंने दुनिया को नैतिकता, शासन, धार्मिकता और करुणा पर गहन मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि तिरुवल्लुवर की शिक्षाएं समय, धर्म और भूगोल से परे हैं और मानवता को नैतिक आचरण, सामाजिक सद्भाव और मानवीय गरिमा के मूल्यों के साथ निरंतर प्रेरित करती रहती हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी तिरुवल्लुवर दिवस पर महान संत को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि तिरुवल्लुवर का जीवन और कार्य हमारी सभ्यता के उच्चतम गुणों का प्रतीक है और यह पवित्र जीवन तथा सामंजस्यपूर्ण समाज का मार्ग प्रशस्त करता है। उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को महानता की यात्रा में मार्गदर्शन देती रहेगी।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना मे सरकारी खजाने से 10000 करोड़ की लूट

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) को देश के युवाओं को रोजगारोन्मुखी बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना में 10,000 करोड़ की लूट हो गई है? नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में सामने आई जानकारी के अनुसार इस योजना की जमीनी हकीकत पर गंभीर सवाल खड़े हो गये हैं। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 33,000 युवाओं की फर्जी ट्रेनिंग दिखाकर करीब 10,000 करोड़ रुपये की लूट सरकारी खजाने से हुई है। केग की रिपोर्ट के अनुसार यह गड़बड़ी केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि एक संगठित घोटाले और लूट की ओर इशारा करती है। कैग की रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है, कि एक ही फोटो में सैकड़ों लोगों को ट्रेनिंग लेते हुए दिखाया गया है। प्रशिक्षण केंद्रों ने एक ही तस्वीर अलग-अलग बैचों ओर अलग-अलग तारीखों मे लाभार्थियों के नाम पर अपलोड कर करोड़ों रुपए का भुगतान लिया है। इसका अर्थ साफ है ट्रेनिंग हुई नहीं, सिर्फ काग़ज़ों और पोर्टल पर 'कौशल निर्माण' का प्रशिक्षण देकर सुनियोजित साजिश के तहत लूट की गई है। रिपोर्ट में जो गंभीर तथ्य हैं, कैग ने जिन मामलों में लाभार्थियों के बैंक खातों का पता लगाने की कोशिश की, उनके बैंक खाते ही कैग पता नहीं लगा पाई।

बैंक अकाउंट के नंबर भी सही नहीं थे। ऐसी स्थिति में लाभार्थियों के खाते में किस तरह से राशि ट्रांसफर हुई है, इसका पता केग नहीं लगा पाई। सरकारी खजाने की राशि एक तरह से किसी एक ऐसे खाते में ट्रांसफर की गई है जिसका उल्लेख केग को कहीं नहीं मिला। जिन युवाओं को प्रशिक्षित दिखाया गया, उनके अस्तित्व, पहचान और भुगतान तीनों पर कैग ने गड़बड़ी का संदेह जताया है। सवाल उठता है, जब आधार, बैंक खाता और डिजिटल ट्रैकिंग जैसी सुविधायें मौजूद थीं. उसके बाद भी फर्जीवाड़ा फलता-फूलता रहा? इससे स्पष्ट है, निगरानी तंत्र या तो अक्षम था, या जानबूझकर आंखें मूंदकर इस लूट में शामिल था। इस कथित घोटाले की जिम्मेदारी प्रशिक्षण प्रदाताओं तक सीमित नहीं की जा सकती है। मंत्रालय, सेक्टर स्किल काउंसि

इस तरह की लूट में तो अपराधिक कार्यवाही की जानी चाहिए थी। कैग जैसी संवैधानिक संस्था बैंक खातों और वास्तविक लाभार्थियों तक नही पहुंच पाई। इसका मतलब है कि सुनयोजित लूट की गई है। यह शासन प्रणाली की पारदर्शिता और प्रक्रिया पर सवाल उठाती है। क्या किसी भी योजना में इतनी बड़े पैमाने पर लूट हो सकती है? पीएमकेवीवाई जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को हुनर देकर आत्मनिर्भर बनाना था। यदि वही योजना सरकारी खजाने से लूट का साधन बन जाए] बिचौलियों और फर्जी संस्थानों के माध्यम से सरकारी खजाने से लूट की जाए।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

तनाव के बीच ईरान ने इजराइल की तरफ तानी मिलाइलें, भारतीय दूतावास ने की एडवाइजरी जारी

यरूशलेम। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच चल रही तनातनी में एक रहस्यमयी मोड़ आ गया है। एक तरफ खाड़ी देशों ने अमेरिका को ईरान पर अटैक के लिए एयरस्पेस देने से इनकार कर दिया है वहीं दूसरी तरफ ट्रंप नरम पड़ गए हैं। इसके बाद ईरान ने इजराइल के 8 ठिकानों पर मिसाइलें तान दी हैं। इन सबके बीच भारतीय दूतावास द्वारा हाल ही में नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर दी है। भारतीय नागरिकों को 'अत्यधिक सतर्क' रहने की सलाह देते हुए इजराइल की यात्रा करने से भी मना किया है। भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी में भारतीय नागरिकों को मैसेज देते हुए कहा है कि 'क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए, इजराइल में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और इजराइली अधिकारियों और गृह मोर्चा कमान द्वारा जारी सुरक्षा दिशानिर्देशों और प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की सलाह दी है। इसमें लिखा है कि 'भारतीय नागरिकों को इजराइल की सभी गैर-जरूरी यात्राओं से बचने को कहा है। किसी भी आपात स्थिति में, भारतीय नागरिक भारतीय दूतावास की 24×7 हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकते हैं जिसके लिए टेलीफोनः +972-54-7520711; +972-54-3278392 ईमेल जारी किया गया है।

बलूचिस्तान में बड़ी संख्या में घुसे हथियारबंद लोग, सरकारी व निजी बैंकों में की तोड़फोड़

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के खारान जिले में हालात उस वक्त बेकाबू हो गए, जब बड़ी संख्या में हथियारबंद लोग शहर में दाखिल हुए और अलग-अलग इलाकों में हमला करना शुरू कर दिया। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक हमलावरों ने खारान शहर के मुख्य पुलिस थाने को निशाना बनाया और सरकारी व निजी बैंकों में तोड़फोड़ की। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमलावर कारों और बाइकों पर सवार थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमले में कोई पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ, लेकिन पुलिस वाहनों और हथियारों को नुकसान पहुंचा। हमलावर कुछ हथियार अपने साथ ले गए। पुलिस के मुताबिक हमलावरों ने पुलिस थाने में घुसकर वहां बंद अंडरट्रायल कैदियों को जबरन छुड़ा लिया। इसके बाद कुछ सशस्त्र लोग शहर के बाजार इलाके में पहुंचे, जहां दो से तीन बैंकों को नुकसान पहुंचाया गया। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि हमलावर बैंक से नकदी ले जाने में सफल हुए या नहीं।

खनन कंपनी द्वारा बैंक से धोखाधड़ी मामले में सीबीआई ने कोलकाता में मारे कई जगह छापे

एजेंसी। कोलकाता

सीबीआई ने एक खनन कंपनी द्वारा ऋण धोखाधड़ी करने और यूको बैंक को 7.25 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाने के मामले में कोलकाता के कई स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि शहर के न्यू अलीपुर इलाके में एक व्यवसायी के घर और न्यू टाउन समेत अन्य स्थानों पर छापा मारा। उन्होंने बताया कि सीबीआई की पांच टीमों ने न्यू टाउन के अलावा, न्यू अलीपुर क्षेत्र में स्थित एक बहुमंजिला आवासीय परिसर की पांचवीं मंजिल पर भी तलाशी ली। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माना जा रहा है कि यह परिसर स्वाति माइनिंग कंपनी के प्रवर्तकों और जमानतदारों अमित कुमार केजरीवाल और सरवन कुमार केजरीवाल से जुड़ा हुआ है। एक अधिकारी ने बताया कि इस समन्वित अभियान का उद्देश्य जांच से संबंधित दस्तावेजी साक्ष्य और अन्य सामग्री एकत्र करना है। सीबीआई ने यूको बैंक की शिकायत पर 30 दिसंबर, 2025 को कंपनी, उसके निदेशकों गिरिजा ठाकुर और सम्राट चक्रवर्ती, और प्रवर्तकों और जमानतदारों अमित कुमार केजरीवाल और सरवन कुमार केजरीवाल के खिलाफ एक नया मामला दर्ज किया था। यूको बैंक द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने बैंक को 7.25 करोड़ का नुकसान पहुंचाया है जो कि एनपीए की तारीख 30 जून, 2019 को बैंक के खाते में बकाया राशि थी।

महाराष्ट्र बीएमसी चुनाव में महायुति की बढ़त, विपक्षी खेमे से उठे विरोधी स्वर

एजेंसी। नई दिल्ली

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव के नतीजों में जैसे-जैसे बीजेपी के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की बढ़त नजर आ रही है, विपक्षी खेमे से विरोध के स्वर भी तेज हो गए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं से जनता का भरोसा खत्म होता जा रहा है। उनके इन बयानों ने राजनीतिक बहस छेड़ दी है, जब बीजेपी के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन प्रमुख नगर निकायों में प्रभावशाली बढ़त लेता दिखा रहा है। सोशल मीडिया प्लेट्फार्म एक्स पर

राहुल गांधी बोले-देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं से जनता का भरोसा हो रहा खत्म

पोस्ट करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा नागरिकों को गुमराह करना ही हमारे लोकतंत्र में भरोसे के खत्म होने का कारण है। वोट चोरी एक राष्ट्र-विरोधी काम है। इस बीच बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों की वोटों की गिनती से मिल रहे शुरुआती रुझानों के मुताबिक पोस्टल बैलेट के आंकड़ों के मुताबिक बीजेपी-शिवसेना महायुति गठबंधन करीब 52 वार्डों में आगे चल रहा है। एसईसी और बीएमसी के आधिकारिक आंकड़ों का इंतजार है।

अब तक गिने गए पोस्टल बैलेट के मुताबिक बीजेपी 35 सीटों पर आगे है, शिवसेना 17 सीटों पर। ठाकरे भाइयों के लिए सुबह अभी तक कोई अच्छी खबर नहीं लाई है, क्योंकि शिवसेना (यूबीटी) 22 सीटों पर आगे बताई जा रही है। राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अब तक आठ सीटों पर आगे है। शुरुआती गिनती में कांग्रेस चार सीटों पर आगे है। राज्य चुनाव आयुक्त द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक हाल ही में संपन्न हुए बृहन्मुंबई नगर निगम चुनावों में 52.94 फीसदी मतदान हुआ था। भारत के सबसे अमीर नगर निगमों के लिए गुरुवार को संपन्न हुए थे। चुनावों में शिवसेना (यूबीटी)-मनसे गठबंधन ने आरोप लगाए थे, जिन्हें बाद में चुनाव आयोग ने खारिज कर दिया था। आठ साल के अंतराल के बाद हुए ये चुनाव मुंबई के लिए एक अहम नागरिक प्रक्रिया थी। पिछले बीएमसी चुनाव 2017 में हुए थे, जबकि पिछली चुनी हुई मेयर किशोरी पेडनेकर का कार्यकाल मार्च 2022 में खत्म हो गया था।

ओम बिरला ने पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के लिए आभार व्यक्त किया

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का राष्ट्रमंडल देशों के लोकसभा अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) के उद्घाटन के लिए उनके दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। बिरला ने शुक्रवार को एक्स पर कहा, "28वें सीएसपीओसी का आपके (प्रधानमंत्री मोदी) कर-कमलों द्वारा उद्घाटन किया जाना न केवल भारत, बल्कि संपूर्ण विश्व के लोकतांत्रिक समुदाय के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि आपके (प्रधानमंत्री मोदी) कुशल मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि भारत आज सीएसपीओसी के इतिहास की सर्वाधिक सहभागिता वाली कॉन्फ्रेंस की मेजबानी कर रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति आपका (प्रधानमंत्री मोदी) दृष्टिकोण वैश्विक पटल पर संसदीय कार्यप्रणाली को नई दिशा और प्रेरणा देने वाला है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में 28वें सीएसपीओसी सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस दौरान, संसदीय लोकतंत्र में अध्यक्ष की भूमिका अद्वितीय बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि अध्यक्ष को बोलने का अधिक अवसर नहीं मिलता, लेकिन उनकी जिम्मेदारी दूसरों की बात सुनने और यह सुनिश्चित करने में निहित है कि सभी को अपनी बात कहने का मौका मिले।

55 मिनट की डॉक्यूमेंट्री 'लोक्खी एलो घोरे' से महिला वोटरों को रिझाने में जुटी ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपनी जन कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए सिल्वर स्क्रीन का सहारा लिया है। इसके लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रमुख योजनाओं को रोजमर्रा की जिंदगी बदलने वाला बताकर 55 मिनट की एक डॉक्यूमेंट्री का अनावरण किया है। 'लोक्खी एलो घोरे' शीर्षक वाली फिल्म का प्रीमियर बुधवार रात नंदन में हुआ, जहां तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी, पार्टी के सांसद और मंत्री तथा तमिलनाडु फिल्म उद्योग की जानी-मानी हस्तियां मौजूद रहीं। कहानी ग्रामीण बंगाली लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसने कम उम्र में अपने पति को खो दिया था। विधवा का किरदार अभिनेत्री सुभाश्री गांगुली ने निभाया है। उसके किसान पति की दिल का दौरा पड़ने से अचानक मौत के बाद उसकी जिंदगी बिखर जाती है। सामाजिक रीति-रिवाजों की जकड़न के साथ, विधवा को गरीबी और जड़ जमाए पितृसत्तात्मक मानदंडों के बीच अपने ही घर में अपमान का सामना करना पड़ता है। लेकिन इस कहानी में मोड़ तब आता है जब विधवा महिला को धीरे-धीरे राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने लगता है।

गृह मंत्री अमित शाह ने 'बांसेरा' में तीसरे 'अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव' का किया उद्घाटन

एजेंसी। नई दिल्ली

गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली के सराय काले खां स्थित यमुना फ्लडप्लेन में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा विकसित 'बांसेरा' घास के मैदान में तीसरे 'अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने दिल्ली सरकार से इस उत्सव को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए एक विशेष समिति बनाने का आग्रह किया। अमित शाह ने दिल्ली सरकार से आग्रह किया कि वह दिल्ली को पतंग उत्सव का वैश्विक केन्द्र बनाने के लिए एक समिति का गठन करे। इस पहल से न केवल पूरे देश इस उत्सव से जोड़ेगा, बल्कि दिल्ली भविष्य में अंतरराष्ट्रीय पतंगबाजों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बनकर उभरेगी। आयोजन स्थल 'बांसेरा' की प्रशंसा करते हुए मंत्री ने कहा, "आज यहां देश की हर नस्ल का बांस मौजूद है। यह स्थान इस बात का परिचायक है कि यदि कोई अपने संकल्प के लिए कृतनिश्चयी हो, तो ऐसे ही सुंदर परिणाम आते हैं।" उन्होंने सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने और देश भर में मनाए जाने वाले उत्तरायण पर्व की देशवासियों को बधाई दी और कहा कि भारत में उत्सव समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। गृह मंत्री ने इतिहास को याद करते हुए 'साइमन कमीशन' के विरोध के दौरान पतंग उत्सव की भूमिका को भी रेखांकित किया, जो देशभक्ति की भावना जगाने का एक जरिया बना था। इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के नागरिकों को एक प्राकृतिक और सुंदर स्थान प्रदान करने के साथ-साथ पारंपरिक खेलों को अंतरराष्ट्रीय मंच देना है। 'बांसेरा' अब दिल्लीवासियों के लिए एक प्रमुख पर्यटन और सांस्कृतिक स्थल के रूप में विकसित हो चुका है। इस मौके पर गृह मंत्री के साथ दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मुख्य सचिव राजीव वर्मा और डीडीए के उपाध्यक्ष श्रवण कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम आज देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का करेंगे शुभारंभ

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 एवं 18 जनवरी को पश्चिम बंगाल और असम के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह रेल, सड़क और जलमार्ग से जुड़ी 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री शनिवार को देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे, जो गुवाहाटी और हावड़ा के बीच चलेगी। असम में काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर का भूमि पूजन भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री शनिवार को पश्चिम बंगाल में 3,250 करोड़ रुपये की लागत वाली कई रेल और सड़क अवसंरचना परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। वह मालदा टाउन स्टेशन से हावड़ा-गुवाहाटी (कामाख्या) वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को वर्चुअल रूप से हरी झंडी दिखाएंगे। यह पूरी तरह वातानुकूलित ट्रेन लंबी दूरी की यात्रा को आरामदायक और किफायती बनाएगी, जिससे यात्रा के समय में लगभग 2.5 घंटे की बचत होगी। इसके अगले दिन रविवार को प्रधानमंत्री हुगली जिले के सिंगूर में 830 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। साथ ही बालागढ़ में एक आधुनिक पोर्ट इलेक्ट्रिक कैटामरान की आधारशिला रखी जाएगी, जिससे अंतर्देशीय जल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा और कोलकाता की सड़कों पर भीड़ कम होगी। प्रधानमंत्री बंगाल से कुल 7 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। ये ट्रेनें न्यू जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और मालदा जैसे शहरों को बेंगलुरु, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों से जोड़ेंगी। इनमें से तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे और चार अन्य को वर्चुअली माध्यम से रवाना करेंगे। प्रधानमंत्री कोलकाता पहुंचकर कोलकाता (हावड़ा)- आनंद विहार टर्मिनल, कोलकाता (सियालदह) – बनारस, कोलकाता (संतरागाछी) - ताम्बरम नई अमृत भारत एक्सप्रेस को रवाना करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री असम में 17 एवं 18 जनवरी को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक विरासत और वन्यजीव संरक्षण कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। वह शनिवार शाम गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में बोडो समुदाय के ऐतिहासिक सांस्कृतिक कार्यक्रम "बागुरुम्बा द्वौ 2026" में शामिल होंगे। यहां 10 हजार से अधिक कलाकार पारंपरिक बागुरुम्बा नृत्य प्रस्तुत करेंगे, जो प्रकृति और मानवीय सद्भाव का प्रतीक है। अगले दिन रविवार को प्रधानमंत्री कालियाबोर में 6,950 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर का भूमि पूजन करेंगे।

13 दिसंबर 2023 को संसद की सुरक्षा में हुई चूक महज एक संयोग नहीं: हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि 13 दिसंबर 2023 को संसद की सुरक्षा में हुई चूक महज एक संयोग नहीं हो सकती। यह घटना 2001 में संसद पर हुए आतंकी हमले की बरसी पर हुई थी। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति सुधा जैन की पीठ ने सुरक्षा चूक मामले में तीन आरोपियों मनोरंजन डी, सागर शर्मा और ललित झा की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरोपियों के वकील ने दलील दी कि दोनों घटनाओं के बीच कोई संबंध नहीं है क्योंकि इस मामले में आरोपी केवल बेरोजगारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन इसपर पीठ ने कहा कि यह संयोग नहीं हो सकता...13 दिसंबर संयोग नहीं हो सकता। आरोपियों के वकील ने कहा कि भले ही विरोध का यह तरीका सही न हो, लेकिन उन्हें अनिश्चित काल तक जेल में नहीं रखा जाना चाहिए। वकील ने कहा कि उनमें गुस्सा था, लेकिन मैं पूरी तरह सहमत हूं कि विरोध का यह तरीका सही नहीं था। अगर हम इतिहास देखें, तो अंग्रेज भी लोगों को अनिश्चितकाल तक जेल में नहीं रखते थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अभी तक आरोप तय नहीं हुए हैं और आरोपी शिक्षित युवक हैं जिनका किसी आपराधिक मामले में पहले कोई संलिप्तता नहीं है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

महाभियोग की कार्यवाही के खिलाफ जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के जस्टिस दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली बेंच ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के जज जस्टिस वर्मा को उनके पद से हटाने के लिए लोकसभा स्पीकर की ओर से गठित कमेटी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने 8 जनवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था। जस्टिस वर्मा का कहना था कि जब 21 जुलाई को लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही सदनों में जस्टिस वर्मा को पद से हटाने का प्रस्ताव पेश किया गया था, तो ऐसी सूरत में जजेज इन्क्वारी एक्ट के तहत आगे जांच के लिए दोनो सदन की संयुक्त कमेटी का गठन होना चाहिए था। ऐसे में लोकसभा स्पीकर की ओर से कमेटी का गठन गलत है। जस्टिस वर्मा की याचिका में कहा गया था कि जजेज इन्क्वायरी में साफ तौर पर उल्लेख है कि अगर किसी जज को हटाने का प्रस्ताव एक ही दिन में संसद के दोनों सदन में पेश किया जाता है, तो संसद के दोनों सदन में प्रस्ताव स्वीकार किये जाने के बाद स्पीकर और चैयरमेन एक संयुक्त कमेटी का गठन करेंगे। जस्टिस वर्मा का कहना था कि जब उन्हें हटाने का प्रस्ताव लोकसभा और राज्यसभा में एक ही दिन पेश हुआ, तो राज्यसभा में उस पर कोई फैसला न लिए जाने पर भी लोकसभा स्पीकर ने कैसे कमेटी का गठन कर दिया। उच्चतम न्यायालय ने 22 मार्च को इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच कमेटी के गठन का आदेश दिया था। इस जांच कमेटी में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस जीएस संधावालिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय के जज जस्टिस अनु शिवरामन शामिल थे। जस्टिस यशवंत वर्मा जब दिल्ली उच्च न्यायालय के जज थे उस समय उनके घर पर 14 मार्च को आग लगने के बाद अग्निशमन विभाग ने कैश बरामद किया था।

सुखात्मे राष्ट्रीय पुरस्कार' के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से सांख्यिकी के क्षेत्र में 'सुखात्मे राष्ट्रीय पुरस्कार-2026' के लिए ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया शुरू की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य सांख्यिकी के क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करना और विशेषज्ञों के योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देना है। मंत्रालय की शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, यह पुरस्कार आगामी 29 जून, 2026 को 'सांख्यिकी दिवस' समारोह के दौरान प्रदान किया जाएगा। सम्मान समारोह के दौरान, पुरस्कार विजेता को एक विशेष सत्र को संबोधित करने के लिए भी आमंत्रित किया जाएगा, जहां वे अपने शोध कार्य के महत्व और उपलब्धियों पर प्रकाश डालेंगे। इच्छुक पात्र उम्मीदवार स्वयं को नामांकित कर सकते हैं या विभिन्न संस्थानों द्वारा उनके नाम प्रस्तावित किए जा सकते हैं। इसके लिए उन्हें 31 जनवरी, 2026 तक नामांकन की प्रक्रिया पूरी कर लेनी होगी। आवेदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। इसमें 45 वर्ष और उससे अधिक आयु के भारतीय सांख्यिकीविद आवेदन कर सकते हैं। प्रक्रिया पूरी होने के बाद सांख्यिकी के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाला शोध और सांख्यिकीय प्रणाली को मजबूत करने में विशेष उपलब्धि के आधार पर विजेताओं का चयन किया जाएगा। चयनित विजेता को एक प्रशस्ति पत्र, शॉल और स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2000 से शुरू हुआ यह पुरस्कार हर दूसरे वर्ष (द्विवार्षिक) प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार उन प्रख्यात भारतीय सांख्यिकीविदों को दिया जाता है जिन्होंने आधिकारिक सांख्यिकी प्रणाली में सुधार लाने के लिए असाधारण शोध और आजीवन योगदान दिया है।

हज यात्रा के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ी

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। हज यात्रा संबंधी प्रक्रिया पूरी करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 25 जनवरी कर दी गई है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने साफ किया है कि इसके बाद कोई अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने हज यात्रियों से हज बुकिंग और अन्य कागजी प्रक्रिया 25 जनवरी 2026 तक पूरा कर लेने का अनुरोध किया है।हज यात्रियों को अपना वैध पासपोर्ट अपने चुने हुए एचजीओ (हज ग्रुप ऑर्गनाइजर) या संबंधित कार्यालय में जमा करने, नुसुक पोर्टल पर अपना पंजीकरण विवरण दर्ज करने को कहा गया है। मंत्रालय ने हज यात्रियों से कहा है कि बुकिंग करने से पहले यह जरूर जांच लें कि हज ग्रुप ऑर्गनाइजर सरकार द्वारा अधिकृत है या नहीं। उनका कोटा और रजिस्ट्रेशन स्टेटस चेक करना न भूलें। सरकार ने स्पष्ट किया है कि 25 जनवरी के बाद अब तिथि आगे नहीं बढ़ाई जाएगी। इसलिए, अंतिम समय की भीड़ और तकनीकी दिक्कतों से बचने के लिए तीर्थयात्री जल्द से जल्द अपनी प्रक्रिया पूरी कर लें।

दिल्ली में दो गुटों में झगड़ा, तीन को आरोपितों ने मारा चाकू, एक की मौत

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी जिले के जैतपुर इलाके में देर रात हुई चाकूबाजी की घटना में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग समेत दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। इस वारदात में 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हैं। दक्षिण-पूर्वीजिलेके पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने शुक्रवार को बताया कि 15 जनवरी की रात करीब 11:18 बजे धार्मशाला रोड, जैतपुर से मारपीट और चाकूबाजी की सूचना पीसीआर के माध्यम से प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया गया। मौके पर की गई प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यह झगड़ा दो पक्षों के बीच एक आपसी जान-पहचान को लेकर चल रहे निजी विवाद का नतीजा था। आरोप है कि मुख्य आरोपित दीपक सोशल मीडिया के जरिए शिकायतकर्ता प्रिंस(19) को लगातार परेशान कर रहा था। विवाद सुलझाने के बहाने दोनों पक्षों के बीच रात करीब 11 बजे मिलने का फैसला हुआ। बैठक के दौरान कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई। आरोपितों ने चाकुओं से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए। इस हमले में कृष्णा साहू (21) को सीने, कंधे और पीठ में गंभीर चाकू के घाव लगे। उन्हें एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके अलावा सनी (21) के पेट और जांघ में चोटें आईं जबकि प्रिंस (19) को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार कृष्णा साहू परिवार के साथ जैतपुर इलाके में रहता था। परिवार में माता-पिता के अलावा तीन बहनें है। मृतक परिवार का इकलौता था। मृतक के ताऊ देश सिंह ने बताया कि कृष्णा साहू फैक्टरी में लेबर का काम करता था। गुरुवार रात काम पर से आने के बाद उसका एक दोस्त अपने साथ ले गया था। देश सिंह अनुसार उन्हें देर रात पुलिस द्वारा घटना का पता चला। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का मुआयना कर सुराग जुटाए। सीसीटीवी फुटेज और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मीठापुर निवासीआशीष (24) व एक नाबालिग को पकड़ा। आशीष पेशे से ग्राफिक डिजाइनर है। पुलिस ने बताया कि मामले में हत्या समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। फरार आरोपितों की तलाश के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

कांग्रेस ने वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर मंदिरों और प्रतिमाओं को ध्वस्त किए जाने पर जताया कड़ा विरोध

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः कांग्रेस ने वाराणसी (काशी) के मणिकर्णिका घाट पर मंदिरों और प्रतिमाओं को ध्वस्त किए जाने पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा है कि विकास के नाम पर विरासत का विनाश किया जा रहा है। पार्टी का कहना है कि हिंदुत्व का दिखावा करने वाली केंद्र की मोदी और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार हजारों साल पुरानी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को ध्वस्त कर रही है। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक अभय दुबे ने कहा कि विकास और सुंदरीकरण के नाम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी (काशी) के हजारों साल पुराने मंदिरों को तोड़ा जा रहा है और घाटों को तबाह किया जा रहा है। कांग्रेस नेता अजय राय ने मणिकर्णिका घाट के सौंदर्यीकरण के नाम पर बुलडोजर चलवाए जाने पर निशाना साधते हुए कहा कि 2023 में प्रधानमंत्री द्वारा घाट का सुंदरीकरण करने के लिए शिलान्यास किया गया था, लेकिन सौंदर्यीकरण के नाम पर घाट को पूरी तरह तबाह कर दिया गया। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर द्वारा जीर्णोद्धार किए गए इस घाट पर उनकी मूर्तियों, सैकड़ों साल पुराने मंदिरों और शिवलिंग को ध्वस्त करने के साथ-साथ जिस स्थान पर माता पार्वती की मणि गिरी, उस जगह को भी तोड़ दिया गया है। मणिकर्णिका घाट की महत्ता का जिक्र करते हुए अजय राय ने कहा कि दुनिया भर में यह घाट मोक्ष प्राप्ति का प्रमुख केंद्र है। हिंदू समाज के लोग अपनी अंतिम इच्छा में यहीं पर दाह-संस्कार चाहते हैं। उन्होंने बताया कि इस घाट की आग

कभी नहीं बुझती है और ऐसी मान्यता है कि यहां अंतिम संस्कार होने पर आत्मा को मोक्ष मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि हर साल पंचकोशी यात्रा का आरंभ मणिकर्णिका घाट से होता है और करोड़ों श्रद्धालु इस घाट पर बने कुंड में स्नान करके यात्रा का संकल्प लेते हैं। अजय राय ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के नाम पर हजारों साल पुराने मंदिर तोड़े जाने और अक्षय वटवृक्ष को काटकर खत्म किए जाने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुक्तेश्वर महादेव के मंदिर, कसौटी वाले पत्थर से बने दुर्लभ लक्ष्मीनारायण मंदिर व शनि भगवान के मंदिर को तोड़ दिया गया और कॉरिडोर के नाम पर वहां एक आधुनिक मॉल बना दिया गया। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाहवाही लूटते हैं, लेकिन असल में विरासत को तबाह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे हिंदू समाज की गहरी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। कांग्रेस नेता ने याद दिलाया कि गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए भी नरेंद्र मोदी ने के कार्यकाल में कई मंदिर तोड़े गए थे, जिसका विरोध करते हुए विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल ने कहा था कि कांग्रेस ने कभी भी मंदिरों को ध्वस्त नहीं किया और धार्मिक भावनाओं को आहत नहीं किया। अजय राय ने गंगा नदी की दुर्दशा को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि गंगा में चलाए जा रहे क्रूज से मल-मूत्र पवित्र नदी में गिराया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उस क्रूज का नाम स्वामी विवेकानंद के नाम पर रखा है, लेकिन उस क्रूज से गंगा को अपवित्र करना उनका अपमान है। उन्होंने बनारस की दालमंडी में सैकड़ों साल पुराने थोक बाजार को ध्वस्त करने और पुनर्वास की कोई व्यवस्था न होने को लेकर भी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इससे लाखों लोग बेरोजगार और छोटे व्यापारी बर्बाद हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सिर्फ हिंदुत्व का दिखावा करती है, लेकिन वास्तव में पूरी तरह नास्तिक है।

निधि अग्रवाल और बिग बॉस 19 फेम नीलम गिरी ने चुना इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट का 50 लाख का बम्पर ड्रॉ विजेता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः भारत की अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट द्वारा प्रस्तुत "इंडियाज़ बिगेस्ट फेस्टिव ऑफर" के तहत आयोजित 1 करोड़ रुपये के कैश प्राइज़ बम्पर ड्रॉ का ग्रैंड फिनाले समारोह नई दिल्ली में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर 50 लाख रुपये के नकद इनाम के विजेता की घोषणा की गई। इस बहुप्रतीक्षित बम्पर ड्रॉ का चयन अभिनेत्री निधि अग्रवाल एवं अभिनेत्री व बिग बॉस 19 फेम नीलम गिरी द्वारा किया गया। कूपन नंबर 25333749 को 50 लाख रुपये का कैश प्राइज़ प्राप्त हुआ। इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट लंबे समय से ग्राहकों के साथ मजबूत रिश्ते और उच्च स्तर की ग्राहक संतुष्टि के लिए जाना जाता है। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में कम समय में ही कंपनी ने उपभोक्ताओं का विश्वास जीत लिया है। इस मौके पर अभिनेत्री निधि अग्रवाल और नीलम गिरी ने विजेता को बधाई देते हुए कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट अपने ग्राहकों को शानदार ऑफर्स और इनामों के ज़रिये लगातार खुश करता आ रहा है। उन्होंने ग्राहकों से अपील की कि वे इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट से खरीदारी करें और ऐसे ही आकर्षक इनाम जीतते रहें।

इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट के सीईओ श्री करण बजाज ने कहा,- "दिल्ली-एनसीआर में लॉन्च के बाद बहुत कम समय में हमें जो सफलता मिली है, वह हमारे ग्राहकों के भरोसे का परिणाम है। बम्पर ड्रॉ हमारे ग्राहकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक माध्यम है। हम चाहते हैं कि ग्राहकों के साथ हमारा रिश्ता और भी ऊँचाइयों तक पहुंचे।" उन्होंने 50 लाख रुपये के विजेता को हार्दिक बधाई देते हुए सभी ग्राहकों का आभार व्यक्त किया।

स्वयंसेवक रमेश जी के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए ,आलोक कुमार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः भारत मंडपम , दिल्ली में आयोजित विश्व पुस्तक मेला में विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक रमेश जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी को रमेश जी के जीवन का स्मरण करना चाहिए और प्रेरणा लेनी चाहिए सुरुचि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कर्मठ एवं यशस्वी स्वयंसेवक स्वर्गीय रमेश प्रकाश जी के जीवन पर आधारित पुस्तक "तन समर्पित मन समर्पित" पर चर्चा हुई। विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आलोक कुमार ने कहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक विशिष्ट संगठन है जो पिछले 100 वर्षों से देश के लिए कार्य कर रहा है। समाज में देशभक्ति एवं सामाजिक संवेदना का भाव भरने हेतु संघ के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने अपना जीवन लगाया। स्वर्गीय रमेश प्रकाश भी संघ के एक ऐसे ही विलक्षण कार्यकर्ता थे। संघ का कार्यकर्ता कैसा होता है उसका परिवार कैसा होता है और वह किस प्रकार अपना पूरा जीवन राष्ट्र हित में जीता है इसका एक बहुत सुंदर विवरण इस पुस्तक में दिया गया है। पुस्तक स्वर्गीय रमेश प्रकाश जी पर लिखी गई है किंतु इसमें प्रकाश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का ही है।श्रीमती मनु शर्मा

कटारिया ने कहा संघ और उसकी कार्य पद्धति को यदि समझना है तो इस पुस्तक को अवश्य पढ़ाना चाहिए। संघ का मूल भाव "शुद्ध सात्विक प्रेम अपने कार्य का आधार है"इस भाव को स्वर्गीय रमेश प्रकाश जी ने किस प्रकार अपने जीवन में उतारा उसका परिचय हमें पुस्तक पढ़ने से मिलता है।दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अवनिजेश अवस्थी ने कहा कि पुस्तक में ६० से अधिक लोगों ने अपने संस्मरण लिखे हैं।एवं श्री मुकेश कुमार पुनियानी जी कहा कि उनके जीवन को रमेश जी का मार्गदर्शन मिला है। पुस्तक पर रोचक चर्चा हुई।

भारत-जापान ने आर्थिक, समुद्री सुरक्षा में सहयोग को और मजबूत करने पर जतायी सहमति

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को यहां जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी के साथ 18वीं भारत–जापान रणनीतिक वार्ता की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान आर्थिक एवं समुद्री सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला सुदृढ़ीकरण, महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच, उभरती प्रौद्योगिकियां, जन-से-जन संपर्क तथा बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने इन क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जतायी। विदेश मंत्री ने एक्स पर इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर दोनों नेताओं ने भारत–जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी की निरंतर प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी वैश्विक व्यवस्था को आकार देने और अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के जोखिमों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त, इंडो-पैसिफिक सहित क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का उपयोगी आदान-प्रदान हुआ। यह संवाद भारत और जापान के बीच आपसी विश्वास, साझा हितों और दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टिकोण को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे पहले विदेश मंत्री ने हैदराबाद हाउस में आयोजित बैठक से पूर्व अपने शुरुआती वक्तव्य में कहा कि हम अग्रणी लोकतंत्र और विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं हैं। आज हमारे सामने केवल अवसर ही नहीं, बल्कि यह साझा दायित्व भी है कि बदलती और अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों में हम मिलकर सहयोग करें तथा साझा रणनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप वैश्विक व्यवस्था को सकारात्मक दिशा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि आज आर्थिक सुरक्षा विशेष रूप से सर्वोपरि है। उनका मानना है कि हमारे दोनों देश इसे अत्यधिक महत्व देते हैं और अपनी अर्थव्यवस्थाओं के जोखिम को कम करना तथा अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के जोखिम को कम करना दोनों ही अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

मुर्शीदा खातून उर्फ सपना ने ढाई सौ गरीब लोगों को सर्दी से बचने के लिए कंबल वितरण किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा दिल्ली प्रदेश की मंत्री मुर्शीदा खातून उर्फ सपना द्वारा आज गरीब 250 लोगों के लिए कंबल आदि वितरण का कार्य जारी रखा जिससे कि गरीब लोग कड़ाके की सर्दी से अपने जीवन की रक्षा कर सकें अल्पसंख्यक मोर्चा दिल्ली प्रदेश की मंत्री मुर्शीदा खातून उर्फ सपना ने बताया कि हमें ज्यादा से ज्यादा लोगों के जीवन की रक्षा के लिए उनके जीवन को बचाने के लिए आगे आना चाहिए और इसी प्रकार उनकी अधिक से अधिक मदद करनी चाहिए तभी ऊपर वाला खुश होता हैं और इंसानियत बची रहती है प्रत्येक साल सर्दी के चलते आने को गरीब लोगों की जान चली जाती हैं हमें आगे आकर समाज के लोगों की मदद करनी चाहिए इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा अनीस अब्बासी मंत्री, साजिद सलमानी, फैसल खान,शफाअत अली, तनवीर पठान सहीत गणमान्य व्यक्ति उपस्थित है

दिल्ली में रियलिटी थिएटर और अंतरिक्ष प्रदर्शनी का उद्घाटन शनिवार को

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) के मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र के निदेशक डीके सिंह यहां प्रगति मैदान स्थित राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र में शनिवार को वर्चुअल रियलिटी थिएटर और अंतरिक्ष प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। यह प्रदर्शनी 30 जनवरी तक चलेगी। संस्कृति मंत्रालय के बयान के मुताबिक इस अवसर पर आयोजित होने वाली अंतरिक्ष प्रदर्शनी का शीर्षक "पृथ्वी से कक्षा तकः अंतरिक्ष की खोज साथ मिलकर" होगा। इस कार्यक्रम के तहत करीब 400 स्कूली छात्रों के लिए "अंतरिक्ष यात्री से मिलें" शीर्षक से एक विशेष संवाद सत्र आयोजित किया जाएगा। इसमें भारतीय अंतरिक्ष यात्री एवं एक्जिओम-4 मिशन के मिशन पायलट ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला मानव अंतरिक्ष उड़ान और अंतरराष्ट्रीय मिशनों के अपने अनुभव साझा करेंगे। इस संवाद का उद्देश्य अंतरिक्ष अन्वेषण, मानव अंतरिक्ष उड़ान और वैश्विक वैज्ञानिक सहयोग में भारत की बढ़ती भूमिका को उजागर करके युवा छात्रों को प्रेरित करना है। इस सत्र के दौरान छात्रों को अंतरिक्ष में जीवन और चुनौतियों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी मिलेगी। उन्हें भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों और करियर के अवसरों पर एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र में भाग लेने का मौका मिलेगा। छात्रों को विशेषज्ञों के साथ सीधे बातचीत करने का भी अवसर मिलेगा, जिससे अनुभवात्मक शिक्षा के जरिए वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा मिलेगा। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि शुभांशु शुक्ला होंगे। उद्घाटन के दिन आगंतुकों के लिए प्रदर्शनी निःशुल्क रहेगी। इसके बाद 30 जनवरी तक चलने वाली प्रदर्शनी का टिकट वयस्क के लिए 80 रुपये और बच्चों के लिए 30 रुपये रहेगी।

नगर निगम में उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क गैस चूल्हा–सिलेंडर का वितरण

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) मुख्यालय सिविक सेंटर में शुक्रवार को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी और दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने पात्र लाभार्थियों को निःशुल्क गैस चूल्हा और एलपीजी सिलेंडर प्रदान किए। उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ उनके सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में किसानों, मजदूरों और गरीब वर्ग के हित में किए जा रहे कार्यों को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि पहले बरसात के मौसम में महिलाओं को खाना बनाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन उज्ज्वला योजना के बाद यह समस्या काफी हद तक समाप्त हो गई है। लकड़ी और पारंपरिक चूल्हों से होने वाले धुएं के कारण स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों को नुकसान पहुंचता था, जिसे यह योजना कम करने में सहायक है। दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि बीते 12 वर्षों में देश ने व्यापक परिवर्तन देखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं की पीड़ा को समझते हुए स्वच्छ ईंधन जैसी योजनाएं लागू कीं, जिससे आज महिलाओं को रसोई में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत नगर निगम के 251 कर्मचारियों को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नगर निगम दिल्ली की महिलाओं को इस योजना से लाभान्वित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गांवो में शोपीस बनी पानी की टंकियां तुरंत चालू की जाए : चंद्र प्रकाश शर्मा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा :

हसनपुरः शुक्रवार को भारतीय किसान संघ के कार्यकताओं की खिचड़ी वितरण कार्यक्रम के बाद ब्लाक की मासिक बैठक हुई, बैठक में किसानों की समस्यायों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी के स्टेनो को सोंपा गया, वहीं बैठक में बोलते हुए जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा ने कहा कि उझारी से बिजनौरा मन्दिर पर जाने वाले रास्ते पर गंदगी का अम्बार लगा हुआ है जबकि फाल्गुन मास में महाशिवरात्रि पर्व पर हजारों कांवड़ती उस रास्ते से निकलते हैं उस मार्ग की सफाई अति शीघ्र हो नहीं तो भारतीय किसान संघ विशाल आन्दोलन के लिए विवश होगा, तथा ब्लाक अध्यक्ष ओमवीर सिंह ने बिजली विभाग की लापरवाही व बिजली कटौती पर भारी रोष व्यक्त किया, इस अवसर पर प्रांत संगठन मंत्री सुनील कुमार, प्रांत उपाध्यक्ष चौधरी नरेंद्र सिंह, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य महिपाल सिंह, जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष धर्मपाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष डा शिवचरण सिंह सैनी, जिला गन्ना प्रमुख यशवीर सिंह, जिला कार्य कारिणी सदस्य लाखन सिंह, ब्लाक अध्यक्ष ओमवीर सिंह, ब्लाक उपाध्यक्ष कामेंद्र सिंह, जिला कार्य कारिणी सदस्य अशोक शर्मा, ब्लाक मन्त्री गजरौला विपिन कुमार शर्मा, ब्लाक प्रचार प्रमुख उमेश सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा, तेजपाल सिंह, सरदार सिंह, रूम सिंह, खड्ग सिंह, सतपाल सिंह, कलुआ सिंह, डम्बर सिंह, मनवीर सिंह, राजपाल सिंह, धर्मपाल सिंह, मोनू अग्रवाल, विजयपाल सिंह, मा करन सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, हरिराज सिंह आदि सहित दर्जनों कार्य कर्ता मौजूद रहे ।

कड़कती ठंड में भी विकास की ज़मीन पर मौजूद चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली ख़ान

» अधिशासी अधिकारी के साथ वार्ड नं0 12 में सड़क निर्माण का किया स्थलीय निरीक्षण

लोक तंत्र की शान : सैय्यद कुमैल ज़ैदी : संभल/ नगर पालिका परिषद में जहां कड़ाके की ठंड में आम जनजीवन प्रभावित है, वहीं नगर के विकास कार्यों को लेकर चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली ख़ान लगातार सक्रिय नज़र आ रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी के साथ वार्ड नं० 12 में चल रहे सड़क निर्माण कार्य का मौके पर पहुंचकर गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क की गुणवत्ता, मोटाई, सामग्री और कार्य की प्रगति को बारीकी से परखा गया। चौधरी मुशीर अली ख़ान ने संबंधित अधिकारियों व ठेकेदारों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता को टिकाऊ और मजबूत सड़क उपलब्ध कराना नगर पालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिशासी अधिकारी ने भी मौके पर कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि सभी विकास कार्य शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार और समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं। उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। स्थानीय नागरिकों ने कड़ाके की ठंड के बावजूद निरीक्षण के लिए पहुंचे चेयरमैन पति और अधिशासी अधिकारी की सराहना की। लोगों का कहना था कि जब जनप्रतिनिधि और प्रशासन दोनों एक साथ मैदान में उतरते हैं, तभी विकास धरातल पर दिखाई देता है। चौधरी मुशीर अली ख़ान ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में सड़क, नाली और अन्य बुनियादी सुविधाओं के कार्यों की लगातार निगरानी की जाएगी और किसी भी वार्ड को विकास से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।

हिंदू सम्मेलन और समरसता भोज का हुआ आयोजन

सैकड़ों लोगों ने समरसता भोज में किया प्रतिभाग

लोक तंत्र की शान : शाहाबाद हरदोई। नगर के नालंदा स्कूल में मकर संक्रान्ति के दिन गुरुवार को आरएसएस के सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में हिंदू धर्म,संस्कृति एवं समाज के प्रोषक विषयों की पुनः स्थापना की संकल्पना से विशाल हिंदू सम्मेलन एवं समरसता भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख मनोज कांत ने कहा एकता, आत्मीयता और सनातन चेतना का अविस्मरणीय अनुभव हिंदू समाज की बंधुता,परस्पर प्रेम, सहयोग और स्वाभिमान को सुदृढ़ करने हेतु आयोजित हिंदू सम्मेलन एवं समरसता भोज में सम्मिलित होकर हमें जो आत्मिक शांति,भावनात्मक ऊर्जा और वैचारिक संतोष प्राप्त हुआ, उसे शब्दों में बाँध पाना कठिन है। नैमिष धाम से आये आत्मानंद महाराज ने कहा यह कार्यक्रम केवल एक आयोजन नहीं है,बल्कि सनातन संस्कृति की जीवंत अनुभूति और संगठित हिंदू समाज की सशक्त झलक था।

रुपया लेकर पट्टा करने वालों के विरुद्ध हो सख्त कार्रवाई : मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। लगातार दो दिन मकर संक्रांति/खिचड़ी महापर्व को लेकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधाओं के प्रबंधन तथा निगरानी में व्यस्त रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को जनता दर्शन का आयोजन किया। गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री ने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और शीघ्रता से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। जनता दर्शन में भूमि पट्टा आवंटन से जुड़ी कतिपय शिकायतों पर गंभीर दिखे मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिस भी गांव में रुपया लेकर पट्टा आवंटन की शिकायत हो, वहां तत्काल जांच कर दोषी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में शुक्रवार सुबह आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद चलकर गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना और समझा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता दर्शन में एक महिला ने गांव में गरीबों के जमीन पट्टा आवंटन में अनियमितता की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि जहां भी रुपया लेकर जमीन पट्टा दिया गया हो, वहां संबंधित की जिम्मेदारी तय कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए। अपराध से संबंधित शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पात्र व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। इसी क्रम में एक महिला ने आर्थिक तंगी को लेकर बिटिया की शादी की चिंता व्यक्त की तो सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि बिटिया का विवाह मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में कराने की व्यवस्था करें। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्चस्तरीय इलाज का एस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। एस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

भारतीय किसान संघ ने मकर संक्रांति पर खिचड़ी भोज का आयोजन किया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को तीसरे दिन भी मकर संक्रांति के पावन पर पर श्रद्धालुओं ने खिचड़ी का वितरण किया,आस्था, दान-पुण्य के पावन पर्व मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में शुक्रवार को अमरोहा अड्डे के निकट भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक खिचड़ी भोज का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों और राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण किया। किसान संघ के कार्यकर्ताओं ने इस पारंपरिक त्योहार को सामाजिक समरसता के साथ मनाया। कार्यक्रम के दौरान न केवल राहगीरों को गरमा-गरम खिचड़ी वितरित की गई, बल्कि कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए मंगल कामना भी की गई। भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा ने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व प्रकृति और सूर्य देव के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है, और खिचड़ी वितरण की यह परंपरा आपसी प्रेम को बढ़ावा देती है। इस सेवा कार्य में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर मुख्य रूप से चौधरी नरेंद्र सिंह प्रांतीय उपाध्यक्ष मेरठ प्रांत,चंद्रप्रकाश शर्मा जिला अध्यक्ष अमरोहा, धर्मपाल चौहान,ओमवीर सिंह,कृष्ण कुमार शर्मा,महिपाल सिंह, डॉ. शिवचरन सिंह, मोनू अग्रवाल, यशवीर सिंह, लाखन सिंह आदि मौजूद रहे ।

नल से जल : ग्रामीण जीवन में आए बदलाव परखेंगे विवि, आईआईटी मद्रास और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। जल जीवन मिशन के तहत लागू 'हर घर जल' योजना से ग्रामीण इलाकों में नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाकर रोजमर्रा की जिंदगी में बड़ा बदलाव लाया जा रहा है। अब इस बदलाव की वास्तविक तस्वीर सामने लाने के लिए प्रदेश के विभिन्न जिलों में केंद्रीय/राज्य विश्वविद्यालय, आईआईटी मद्रास तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से प्रभाव आकलन (इंपैक्ट असेसमेंट) कराया जाएगा। लखनऊ, अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी समेत 11 मंडलों में इंपैक्ट असेसमेंट की प्रक्रिया फिलहाल चल रही है। बुंदेलखंड क्षेत्र में यह जिम्मेदारी आईआईटी मद्रास को दिए जाने की तैयारी है। मुरादाबाद, आगरा, मेरठ तथा देवीपाटन मण्डलों में प्रभाव का आंकलन केंद्रीय/राज्य विश्वविद्यालयों तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से कराने की योजना है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का मिला अवसर-पाइप से पेयजल योजना के जरिए शुद्ध पानी मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य स्तर बेहतर हुआ है। बच्चों की शिक्षा में निरंतरता आई है और रोजगार के लिए होने वाला प्रवासन घटा है। सबसे अहम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। आईआईटी मद्रास की टीम इन सभी प्रभावों का धरातल पर आकलन करेगी। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की ओर से अनुरोध किया गया है। इससे पहले झांसी और चित्रकूट मण्डल में कराए गए इंपैक्ट असेसमेंट में भी यही सामने आया कि नल से जल ने ग्रामीण परिवारों की दिनचर्या आसान बनाई है। गोरखपुर मण्डल में हुए अध्ययन में भी शुद्ध पेयजल आपूर्ति का सकारात्मक सामाजिक असर दर्ज किए गए हैं। बुंदेलखंड के साथ-साथ प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी योजना के प्रभाव को परखा जा रहा है। अयोध्या, बस्ती, प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़, बरेली, सहारनपुर, आजमगढ़ और मिर्जापुर मण्डलों में इंपैक्ट असेसमेंट की प्रक्रिया फिलहाल चल रही है।

'ओडीओसी से वैश्विक फूड मैप पर स्थापित होगी यूपी की पाक कला की विरासतः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

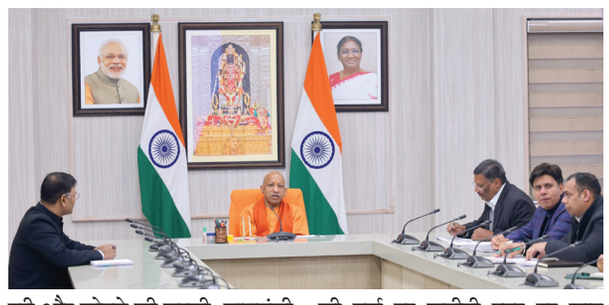

लखनऊ :- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की समृद्ध और विविधतापूर्ण खान-पान परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में 'एक जनपद-एक व्यंजन (ओडीओसी)' योजना के शुभारंभ का निर्णय लिया है। ब्रांड यूपी को सशक्त बनाने में एक जनपद-एक उत्पाद योजना की बड़ी भूमिका के बाद अब उत्तर प्रदेश की पारंपरिक क्यूज़ीन को संगठित ब्रांडिंग के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का हर जनपद अपने विशिष्ट स्वाद, संस्कृति और पहचान के साथ सामने आए, यही ओडीओसी योजना का मूल उद्देश्य है। मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि मैनपुरी की सोनपापड़ी, मथुरा का पेड़ा, अलीगढ़ की चमचम, हाथरस की रबड़ी, कासगंज का कलाकंद और मूंग का दलमा, एटा की चिकोरी, सुल्तानपुर की कड़ाहा की पूरी और कोहड़े की सब्ज़ी, बाराबंकी की चंद्रकला मिठाई, आज़मगढ़ का सफ़ेद गाजर का हलवा, वाराणसी की लौंगलता, बरेली की सिंवइयां, अमेठी का समोसा, बस्ती का सिरका और सिद्धार्थनगर की रामकटोरी जैसी पारंपरिक मिठाइयां और व्यंजन केवल भोजन नहीं, बल्कि स्थानीय विरासत, कौशल और आर्थिकी का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन्हें गुणवत्ता, पहचान और बाज़ार उपलब्ध कराकर प्रदेश की सांस्कृतिक ताकत को आर्थिक शक्ति में बदला जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए कि ओडीओसी को ओडीओपी की तर्ज पर जमीनी स्तर पर लागू किया जाए, ताकि पारंपरिक कारीगरों, हलवाइयों और छोटे उद्यमियों को स्थायी आजीविका के अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और सभी उत्पादों को खाद सुरक्षा मानकों के अनुरूप प्रमाणित किया जाए। मुख्यमंत्री ने जीआई टैगिंग को प्रोत्साहित करने, स्थानीय व्यंजनों की पहचान सुरक्षित रखने और युवाओं व आधुनिक उपभोक्ताओं की पसंद के अनुसार स्वाद-आधारित विविधता विकसित करने पर भी बल दिया।

खेल प्रतिभाएं तराशें शिक्षण संस्थान : सीएम योगी

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का आह्वान किया है कि वे किसी एक खेल को गोद लेकर उससे जुड़ी प्रतिभाओं को तराशें। खेल के जरिये स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कराकर अनुशासन और खेल भावना को मजबूत करने में योगदान दें। सीएम योगी शुक्रवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बास्केटबॉल (महिला) प्रतियोगिता के औपचारिक उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल गतिविधियों को बढ़ाने से युवा नशे से दूर रहेंगे, तमाम विकृतियों से बचे रहेंगे। युवा खेलेगा तो खिलेगा, और यही युवा देश को आगे बढ़ाने में, 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में योगदान देगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने खेलों के माध्यम से भी विकसित भारत बनाने के अभियान में भरपूर प्रयास किए हैं। प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मेरठ में बन चुकी है। मेरठ में हर प्रकार के स्पोर्ट्स आइटम बन रहे हैं और इसे सरकार ने ओडीओपी में शामिल किया है।

पीएम मोदी की खेलों में अपार रुचि-सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विगत 11 वर्षों में देश में एक नई खेल संस्कृति ने जन्म लिया है। 2014 के पहले खेल की गतिविधियां और प्रतियोगिताएं सरकार के एजेंडे का हिस्सा नहीं होती थीं। खेल और खिलाड़ियों की उपेक्षा होती थी। अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर न होने से खिलाड़ी खेल से पलायन करने को विवश होते थे। कुंठित, हताश और निराश रहते थे। जबकि 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में खेल और खिलाड़ियों का प्रोत्साहन देखते ही बनता है। पीएम मोदी ने खेलो इंडिया, फिट इंडिया और सांसद खेल प्रतियोगिता जैसे अभियानों से स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र की प्रेरणा दी है। गांव-गांव तक खेल प्रतिभाओं को मंच दिया है। प्रधानमंत्री स्वयं विभिन्न खेलों में देश की विजेता टीमों के खिलाड़ियों के साथ बैठते हैं, प्रतियोगिता से पहले भी उनका हौसला बढ़ाते हैं।

कड़ाके की ठंड में भी 344 अधिवक्ताओं में से 164 अधिवक्ताओं ने वोट डाले, आज भी डाले जाएंगे वोट

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश सदस्य पद के चुनाव में वोटरों ने सुबह से ही बूथ पर पहुंचकर मतदान करना शुरू कर दिया। शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच तहसील बार एसोसिएशन एवं मुंसिफ़ी कोर्ट बार एसोसिएशन के वकीलों द्वारा मुंसिफ़ी कोर्ट परिसर में बनाये गये मतदान केंद्र पर मतदान करना शुरू कर दिया। वोट डालने को लेकर खासकर युवा अधिवक्ताओं में काफी उत्साह देखा गया। हालांकि मुंसिफ़ी बार के अधिवक्ता करतार सिंह पाल की मृत्यु होने के कारण यहां के कम ही अधिवक्ताओं ने मतदान किया। 344 वोटो में से 164 मतदाताओं ने अपने वोट का प्रयोग किया। आज शनिवार को भी अधिवक्ताओं द्वारा वोट डाले जाएंगे। वही मतदान केंद्र के आसपास सुरक्षा व्यवस्था का मुकम्मल इंतजाम किया गया था। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों द्वारा मतदान केंद्र के बाहर पंडाल लगाकर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की जा रही थी। कड़ाके की ठंड होने के बावजूद अधिवक्ताओं द्वारा मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया है।

31 जनवरी तक राष्ट्रीय अध्यक्ष पर दर्ज मुकदमे वापस न होने पर 2 फरवरी से भूख हड़ताल करेंगी भाकियू अंबेडकर

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन बी आर अंबेडकर ने राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय सिंह भाटी पर दर्ज मुकदमे 31 जनवरी तक वापस न लिए जाने पर 2 फरवरी से अमरोहा कलेक्ट्रेट पर अनिश्चितकालीन भूक हड़ताल करने का ऐलान किया है, बता ते चले कि शुक्रवार को नवीन तहसील भवन में आयोजित तहसील स्तरीय मासिक पंचायत में जिसकी अध्यक्षता हरकेश सिंह और संचालन राजू चौहान ने किया के अंतर्गत पंचायत में किसानों ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ दिग्विजय सिंह भाटी पर किसानों की आवाज उठाने के कारण प्रशासन द्वारा फर्जी मुकदमें दर्ज किए गए हैं साथ ही उन पर गुंडा एक्ट जैसी दमनकारी कार्यवाही की तैयारी भी की जा रही है, वही किसानो ने खेलिया खालसा गांव के मुख्य रास्ते पर जल भराव की समस्या को दूर कराए जाने गांव कोटा और डगरोली में खराब रास्तों की मरम्मत का मुद्दा भी उठाया वही जयतोली में चकबंदी अधिकारियों द्वारा चकों पर रास्ता न दिए जाने और नाले पर किए गए अवैध अतिक्रमण को तुरंत हटाए जाने की मांग भी की गई, वहीं बैठक में संगठन द्वारा स्पष्ट संदेश दिया गया कि यदि 31 जनवरी तक डॉक्टर दिग्विजय सिंह भाटी पर लगे फर्जी मुकदमे समाप्त नहीं किए जाते हैं और क्षेत्रीय समस्याओं को समाधान नहीं होता है तो 2 फरवरी से आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी वहीं बैठक के उपरांत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर एक ज्ञापन एसडीएम हिमांशु उपाध्याय को सोपा गया, इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय सिंह भाटी, मनोज नागर, जफर रजा, सुखपाल, सुरेश, भगत, विवेक चौहान, मयंक प्रधान आदि सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता एवं किसान मौजूद रहे ।

18 से 20 जनवरी तक श्रवण धाम महोत्सव-2026, तैयारियां अंतिम चरण में

लोक तंत्र की शान

अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान दिलाने की दिशा में अम्बेडकर नगर जिले की धार्मिक और पौराणिक धरोहर श्रवण क्षेत्र धाम में तीन दिवसीय श्रवण धाम महोत्सव-2026 का शुभारंभ 18 जनवरी से होने जा रहा है। यह तीन दिवसीय महोत्सव 20 जनवरी तक चलेगा, जिसमें भक्ति, लोक कला, संस्कृति और सरकारी योजनाओं की झांकी का अद्भुत मेल देखने को मिलेगा। जिला प्रशासन द्वारा भव्य रूप से आयोजित इस कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला स्थलीय निरीक्षण कर लगातार व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। श्रवण क्षेत्र धाम अम्बेडकरनगर की तहसील अकबरपुर (भीटी क्षेत्र) में स्थित है। इसे रामायण काल से जुड़ा पौराणिक स्थल माना जाता है। यह श्रवण कुमार की कथा से संबंधित आस्था का केंद्र है, जहां श्रद्धालु पितृभक्ति और रामभक्ति की भावना से जुड़ते हैं। महोत्सव के माध्यम से इस स्थल को रामायण सर्किट से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है, जिससे पर्यटन विकास को नई गति मिलेगी। महोत्सव में स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण रहेंगी। तीन दिनों में भजन संध्या, रामलीला, लोक नृत्य, लोक गीत, झांकियों व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शाम के समय लाइट एंड साउंड शो तथा लेजर शो का भी आयोजन प्रस्तावित है, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा। प्रत्येक दिन जनपद के साथ-साथ आसपास के जिलों से हजारों श्रद्धालु और पर्यटक यहां पहुंचेंगे।

सरकार की नीतियों की दिखेगी झलक- सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों और नीतियों की भी झलक इस महोत्सव में दिखेगी। विभिन्न विभागों के स्टाल लगाए जाएंगे, जहां लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और लाभार्थियों से संवाद होगा। यह आयोजन न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है, बल्कि सामाजिक जागरूकता और पर्यटन प्रचार का भी माध्यम बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

पटना के मसौढ़ी में युवक को गोली मारी, शाहबाद से दानापुर अस्पताल रेफर, हालत गंभीर

पटना। पटना के मसौढ़ी थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी। घटना शाहबाद इलाके में हुई, जहां 22 वर्षीय ऋतिक कुमार को पीठ में गोली लगी। इस घटना के बाद गंभीर रूप से घायल ऋतिक को इलाज के लिए पटना के दानापुर स्थित हाईटेक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि शाहबाद इलाके में अचानक गोली चलने की आवाज सुनकर अफरा-तफरी मच गई। जब लोग बाहर निकले, तो उन्होंने ऋतिक कुमार को खून से लथपथ पड़ा देखा। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी (SDPO) कमल मीणा ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि, 'गोली लगने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को तुरंत मौके पर भेजा गया। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।' घटना की सूचना मिलते ही मसौढ़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से एक गोली का खोखा बरामद किया है, जिससे पता चलता है कि अपराधियों ने नजदीक से गोली चलाई थी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी (SDPO) कमल मीणा ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि गोली लगने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को तुरंत मौके पर भेजा गया। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश या पुरानी दुश्मनी की आशंका जताई जा रही है, हालांकि सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच की जा रही है।

पटना में कुख्यात नीतीश का एनकाउंटर

पटना। पटना पुलिस और कुख्यात के बीच गुरुवार देर रात एनकाउंटर हुआ। जिसमें कुख्यात नीतीश कुमार को पुलिस ने दौड़ाकर गोली और उसे कस्टडी में लेकर इलाज के लिए पीएमसीएच भेज दिया गया। नीतीश कुमार ने करीब एक हफ्ते पहले लूट की नीयत से एक व्यवसायी को गोली मारी थी, इस मामले में पुलिस उसे तलाश रही थी। मनेर थाना और STF को नीतीश के रतन टोला में होने की खबर मिली, जिसके बाद टीम रात करीब 11 बजे मौके पर पहुंची और इलाके को घेर लिया। नीतीश ने जैसे ही STF को देखा उसने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की गोली नीतीश के बाएं पैर में लगी। गोली लगने के बाद नीतीश जमीन पर गिर पड़ा। जिसके बाद पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया। 9 जनवरी को नीतीश और उसके 2 साथियों ने मिलकर लूट की घटना को अंजाम देने की योजना बनाई। मनेर के रसूलपुर गांव के रहने वाले संजय सोनी की गर्ल्स स्कूल के पास ज्वेलर की दुकान है। शाम करीब 7 बजे संजय सोनी अपनी दुकान बंद कर बाइक से घर जा रहे थे। तभी नीतीश और उसके 2 साथियों ने वार्ड सात के कटहरा मुहल्ले में पिस्टल दिखाकर उन्हें रोका और लूटपाट का प्रयास किया। संजय ने लूट का विरोध किया तो नीतीश ने गोली चला दी। गोली सोनी के कंधे पर लगी थी पर बदमाश लूट की वारदात को अंजाम नहीं दे पाए। ये पूरी वारदात गालियों में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। फुटेज में साफ दिख रहा है कि दो युवक पहले से गली में खड़े थे, जबकि तीसरा बाइक से आकर उनके साथ खड़ा हो गया। अपराधी लगातार फोन पर किसी के संपर्क में थे। जैसे ही संजय सोनी अपनी बाइक से वहां पहुंचे, बदमाशों ने उन्हें जबरन रोका। धक्का-मुक्की के दौरान उन्हें गोली मार दी गई। शोर सुनकर भीड़ जुटते देख तीनों अपराधी हथियार लहराते हुए पैदल ही मनेर चौराहा की ओर फरार हो गए। सिटी एसपी वेस्ट भानू प्रताप सिंह ने बताया, 'उसके पास से 9 जनवरी को कारोबारी को गोली मारने में इस्तेमाल एक देसी कट्टा के अलावा एक पिस्टल और दो कारतूस बरामद किया गया। इस साल जनवरी महीने में पटना पुलिस व एसटीएफ को दूसरा एनकाउंटर है।'

बिहार में फिर बढ़ेगी ठंड, 20-21 जनवरी को होगी बारिश, 20 जिलों का तापमान 10 डिग्री से नीचे

पटना। पटना समेत बिहार के कई जिलों में धूप निकलने के बाद से ठंड से राहत मिली है। हालांकि, पहाड़ों पर अचानक शुरू हुई बर्फबारी के बाद उत्तर भारत में एक बार फिर ठंड बढ़ गई। आने वाले दिनों में इसका असर बिहार में भी देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर भारत से आ रही ठंडी हवाओं के चलते बिहार में फिर से ठंड बढ़ सकती है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने आज 8 जिलों में कोहरा छाए रहने की संभावना जताई है। इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य के 20 जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड किया गया है। 2 डिग्री तापमान गिरा है, जिससे सुबह और रात में ठिठुरन बढ़ गई है। फिलहाल राज्य का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री के आसपास पहुंच गया है। विभाग की माने तो 17 जनवरी को एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ आने वाला है, जिससे 20-21 जनवरी को बारिश के आसार हैं, जिससे ठिठुरन और बढ़ जाएगी। इसके बाद तापमान में धीरे-धीरे तापमान बढ़ने की संभावना है। राजधानी की बात करें तो मौसम विभाग के अनुसार आज पटना में सुबह हल्का से मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। दिन में धूप निकलने से तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन रात में कड़ाके की ठंड बरकरार रहेगी। पटना का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। बीते 24 घंटे में पटना में दिन में भी कनकनी बढ़ी है।

हरौली में टेंपो की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत

हाजीपुर। वैशाली के हरौली में टेंपो की टक्कर से एक 65 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना सदर थाना क्षेत्र के हरौली में हुई। घायल को स्थानीय लोगों ने हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान पटना के दीघा थाना क्षेत्र स्थित एसटीटीआई लक्ष्मीनिया गली निवासी रघु शाह के 65 वर्षीय पुत्र विश्वनाथ शाह के रूप में हुई है। मृतक के बेटे चंदन साह ने बताया कि उनके पिता शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे बुद्धि मैया की पूजा करने घर से निकले थे। सुबह 8 बजे के आसपास उन्हें थाना द्वारा जानकारी मिली कि सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई है। स्थानीय लोगों ने टेंपो और उसके चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है कि चालक शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था। विश्वनाथ शाह अपने चार भाइयों और दो बहनों में मझले थे। उनके दो बेटे और दो बेटियां हैं। स्थानीय थाना को सूचना मिलने के बाद कागजी प्रक्रिया पूरी की गई और शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया।

138 लोग अरेस्ट, 49,500 का जुर्माना वसूला

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल ने अलार्म चेन पुलिंग (ACP) की अनधिकृत घटनाओं के खिलाफ एक सघन अभियान चलाया है। यह कार्रवाई रेल यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और समयबद्ध बनाए रखने के उद्देश्य से की गई। अभियान 6 जनवरी, 2026 से अब तक मंडल के विभिन्न रेलखंडों और स्टेशनों पर संचालित किया गया। इस अभियान के तहत रेलवे अधिनियम की संबंधित धाराओं के अंतर्गत कुल 147 मामले दर्ज किए गए। इन मामलों में 138 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। दोषियों से जुर्माने के तौर पर 49,500 की राशि रेल राजस्व के रूप में प्राप्त हुई। सोनपुर मंडल प्रशासन ने यह कार्रवाई यात्रियों की सुरक्षा, ट्रेन परिचालन की निरंतरता और अनावश्यक देरी को रोकने के लिए की है। अनधिकृत ACP से न केवल रेल परिचालन प्रभावित होता है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। मंडल रेल प्रबंधक के मार्गदर्शन में रेल सुरक्षा बल, वाणिज्य विभाग और परिचालन विभाग के समन्वित प्रयासों से यह अभियान सफल रहा। यात्रियों से अपील की गई है कि वे आपात स्थिति को छोड़कर अलार्म चेन का दुरुपयोग न करें, ताकि सुरक्षित, सुगम और समयबद्ध रेल सेवा सुनिश्चित की जा सके। सोनपुर मंडल भविष्य में भी यात्रियों की सुरक्षा और रेल अनुशासन बनाए रखने के लिए इस प्रकार के अभियान निरंतर जारी रखेगा।

'बिहार 2.0' कार्यक्रम में 5 उद्यमियों को मिली मदद

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार के उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने आज चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना में आयोजित नेशनल स्टार्ट-अप दिवस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम बिहार 2.0 थीम के तहत बिहार सरकार और चंद्रगुप्त संस्थान के संयुक्त देखरेख में आयोजित किया गया। राज्य में स्टार्टअप को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए स्टार्टअप शुरू करने वाले 5 उद्यमियों को सरकार की ओर से आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया गया। मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि बिहार अब सिर्फ कृषि और श्रम शक्ति का राज्य नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमिता का हब बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

स्टार्टअप बिहार और TIE पटना के बीच हुआ MoU: कार्यक्रम के दौरान स्टार्टअप बिहार और TIE (The Indus Entrepreneurs) पटना के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। इससे बिहार में स्टार्टअप इकोसिस्टम को और मजबूत करने, युवाओं को मार्गदर्शन, मेंटरशिप और निवेश से जोड़ने में

मदद मिलेगी। स्टार्टअप और इन्क्यूबेशन के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य के लिए आईआईटी पटना को प्रथम पुरस्कार और चंद्रगुप्त मैनेजमेंट संस्थान को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हर जिले में स्टार्टअप संस्कृति विकसित हो और बिहार के युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें।

बीएमसी चुनाव में बीजेपी की जीत को बताया ऐतिहासिक: वहीं, दिलीप जायसवाल ने बीएमसी चुनाव में बीजेपी की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो लोग क्षेत्रवाद और भाषावाद के नाम पर समाज में नफरत फैलाने का काम करेंगे, उनका हश्र ऐसा ही होगा। जनता अब

◆ स्टार्टअप बिहार और टीआईई पटना के बीच मोओयू, दिलीप जायसवाल बोले- बिहार बनेगा स्टार्टअप हब

सब समझ चुकी है और ऐसे लोगों को करारा जवाब देती है। डीएमके सांसद दयानिधि मारन द्वारा महिलाओं को लेकर दिए गए विवादित बयान पर दिलीप जायसवाल ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं को सुधारने की सख्त जरूरत है। ऐसे लोगों के लिए भारत सरकार को सुधार गृह बनाना चाहिए, जिसमें इन्हें कम से कम 3 महीने तक बंद रखकर इनके सोच को बदलने का काम किया जाए। मंत्री ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही हैं- विज्ञान, सेना, राजनीति, प्रशासन और उद्योग हर जगह उनका योगदान है। ऐसे में इस तरह की सोच देश और समाज दोनों के लिए शर्मनाक है। बीजेपी और एनडीए सरकार नारी सम्मान और नारी सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक सोच रखने वालों को जनता सबक सिखाएगी।

पटना मेट्रो के लिए जंक्शन के पास खुदाई शुरू

एजेंसी, पटना

पटना मेट्रो ने जंक्शन के पास मेट्रो स्टेशन निर्माण के लिए रफ्तार पकड़ ली है। पटना जंक्शन गोलंबर के पास मेट्रो स्टेशन के लिए खुदाई का काम शुरू कर दिया गया है। फिलहाल यूटिलिटी टेस्ट पिट का काम किया जा रहा है, जिससे अंडरग्राउंड सेवाओं की पहचान कर सुरक्षित निर्माण किया जा सके। यहां अंडरग्राउंड इंटरचेंज मेट्रो स्टेशन बनेगा। इसे इस तरह डिजाइन किया जा रहा है कि रेलवे और मेट्रो के बीच यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके। एक हफ्ते पहले ही जंक्शन गोलंबर के पास घेराव किया गया था। इस वजह से गाड़ियों की आवाजाही प्रभावित हो गई थी। इसके लिए मेट्रो की ओर से स्पेशल ट्रैफिक मार्शल रखा गया है। गहरी खुदाई के काम के लिए जून महीने में नई टीबीएम मशीन लॉन्च करने की योजना है।

तीन फ्लोर वाला अंडरग्राउंड इंटरचेंज मेट्रो स्टेशन बनेगा: पटना जंक्शन के पास तीन तल वाला अंडरग्राउंड इंटरचेंज मेट्रो स्टेशन बन रहा है। इस मेट्रो स्टेशन पर जाने के लिए पटना जंक्शन, मल्टीलेवल पार्किंग, चिरैयाटांड़ पुल की तरफ से जाने की सुविधा होगी। मेट्रो स्टेशन

❐ अंडरग्राउंड इंटरचेंज मेट्रो स्टेशन बनेगा

की पार्किंग को सीधे पटना जंक्शन की पार्किंग से जोड़ा जाएगा। एक स्टेशन से दूसरे पर जाने का भी रास्ता होगा। ट्रेन से उतरने के बाद लोग मेट्रो से आवाजाही कर सकेंगे। पहला कॉरिडोर दानापुर से बेली रोड होते हुए पटना जंक्शन तक आएगा, जबकि दूसरा कॉरिडोर पीएमसीएच से गांधी मैदान होते हुए पटना जंक्शन पहुंचेगा। महावीर मंदिर के सामने एक नया अंडरग्राउंड सब-वे बनेगा। इस सब-वे से बुद्धा स्मृति पार्क के सामने बन रहे इंटरचेंज मेट्रो स्टेशन तक सीधी आवाजाही संभव होगी। मौजूदा सब-वे के नेटवर्क को आगे बढ़ाते हुए मेट्रो स्टेशन तक एक नया कनेक्शन जोड़ा जा रहा है, जिससे यात्रियों को सड़क पार करने या ट्रैफिक में उलझने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बिहार में बन रही भारत की सबसे ऊंची अर्धनारीश्वर प्रतिमा

एजेंसी, पटना

पटना से सटे चंदासी गांव में इन दिनों आस्था और शिल्पकला का एक ऐसा संगम देखने को मिल रहा है, जिसकी चर्चा पूरे बिहार में है। यहां भारत की सबसे ऊंची 'अर्धनारीश्वर' मूर्ति का निर्माण किया जा रहा है। यह मूर्ति न केवल अपनी ऊंचाई, बल्कि अपनी अद्वितीय बनावट की वजह से भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। निर्माणाधीन होने के बावजूद, इसकी भव्यता को निहारने के लिए दूर-दराज से लोगों के आने का सिलसिला शुरू हो गया है। इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता भगवान शिव और माता पार्वती का एकीकृत स्वरूप 'अर्धनारीश्वर' है। 108 फीट की विशाल ऊंचाई वाली इस मुख्य प्रतिमा के एक ओर 40 फीट के भगवान कार्तिकेय और दूसरी ओर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है। मंदिर का प्रवेश द्वार भी किसी राजसी महल से कम नहीं दिखता। मुख्य द्वार पर एक विशाल

सर्प और शेर की प्रतिमा श्रद्धालुओं का स्वागत करती है। वहीं, बगल में सजे-धजे हाथियों और महावतों की मूर्तियां मंदिर की भव्यता में चार चांद लगा रही हैं। मूर्ति के ठीक नीचे बना मंदिर अपने आप में स्थापत्य कला की मिसाल है। मंदिर के भीतर की दीवारों पर झूमर जैसी नक्काशी और फूलों के बारीक डिजाइन उकेरे गए हैं। यहां कई भव्य सिंहासन बनाए गए हैं, जहां शिव परिवार की अन्य मूर्तियों को स्थापित किया जाएगा। निर्माण कार्य में जुटे कारीगरों की मानें तो पूरी संरचना को भूरे रंग (Stone Finish) से रंगा जाएगा, जिससे यह आभास होगा कि पूरी मंदिर संरचना किसी एक विशाल पत्थर को काटकर बनाई गई है।

बीजेपी वर्किंग प्रेसिडेंट नितिन नवीन का दो जगह दही-चूड़ा भोज, पटना क्लब में जुटे बीजेपी के बड़े नेता और कार्यकर्ता

एजेंसी, पटना

बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन आज 2 जगह दही-चूड़ा भोज दे रहे हैं। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का पद संभालने के बाद पहली बार नितिन नवीन बड़ा आयोजन किया है। एक भोज पटना न्यू क्लब में शुरू हुआ, जहां तमाम मीडिया कर्मी और बड़े नेताओं का जुटान रहा। वहीं, दूसरा भोज नितिन नवीन के आवास पर चल रहा है। अपने आवास पर होने वाले भोज में बीजेपी के सभी कार्यकर्ताओं को आमंत्रण दिया गया है। अपनी यात्रा से लौटे सीएम नीतीश कुमार भी दही-चूड़ा भोज में पहुंचे हैं। यहां सभी प्रदेश स्तर के कार्यकर्ता, विधानसभा कार्यकर्ता और पटना महानगर के कार्यकर्ता शामिल हो रहे हैं। माना जा रहा है कि हजारों की संख्या में कार्यकर्ता इस भोज में शामिल होंगे।

डिप्टी CM विजय सिन्हा ने नितिन नबीन से की मुलाकात: शुक्रवार को डिप्टी CM विजय सिन्हा ने नितिन नबीन से उनके आवास पर मुलाकात की। दरअसल, डिप्टी CM को किसी कार्यक्रम में जाना है, इसलिए उन्होंने पहले ही मुलाकात की।

चूड़ा दही के साथ खिचड़ी की व्यवस्था: मकर संक्रांति के मौके पर नितिन नवीन के भोज में चूड़ा दही , तिलकुट के साथ खिचड़ी खिलाने की तैयारी है। साथ ही चटनी, पापड़, रायता के साथ मिठाई की भी व्यवस्था की गई है। नितिन नवीन हर साल अपने आवास पर मकर संक्रांति के मौके पर चूड़ा दही और खिचड़ी की व्यवस्था करते रहे है। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद बाद पहला मौका है, इसलिए दोनों जगहों पर विशेष व्यवस्था की गई है।

सीएम पहुंचे

मुख्यमंत्री सहित सभी बड़े नेता होंगे शामिल: चूड़ा दही के भोज में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार सहित सभी मंत्री और विधायक को आमंत्रण भेजा गया है। बीजेपी के साथ-साथ एनडीए के सभी घटक दलों के नेताओं को आमंत्रण भेजा गया है। आज के भोज में बीजेपी के साथ जदयू, हम, रालोमो के नेता भी शामिल होंगे। **दिल्ली से कल ही लौटे हैं पटना:** बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन लगातार पार्टी के कार्यों में देश भर में व्यस्त रहे हैं। उनके राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने की घोषणा के बाद से ही दिल्ली चले गए, जहां भव्य स्वागत हुआ। उसके बाद पटना में भी आने पर भव्य स्वागत हुआ है।

पटना में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ जेम एक्सिलेंस इवेंट

एजेंसी, पटना

भारत सरकार के गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस (जेम) द्वारा आयोजित जेम एक्सिलेंस इवेंट दशरथ मांझी श्रम कौशल विकास केंद्र, पटना में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस एकदिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य बिहार के सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों, महिला उद्यमियों, SC/ST उद्यमियों, स्टार्टअप्स, कारीगरों और बुनकरों को राष्ट्रीय सार्वजनिक खरीद प्रणाली से जोड़ने के साथ-साथ, उन्हें जेम के माध्यम से नए अवसरों तक पहुँच दिलाकर उनके कारोबार को बढ़ाने और विस्तार देने में सहायता करना रहा। कार्यक्रम में बिहार सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारी, सरकारी खरीदार, विक्रेता, उद्यमी एवं जेम के वरिष्ठ अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में श्री अमरदीप गुप्ता, निदेशक-जेम ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। उद्घाटन सत्र के दौरान बिहार में जेम के माध्यम से सार्वजनिक खरीद की प्रगति, राज्य के प्रमुख विभागों की सहभागिता तथा विक्रेताओं के

बढ़ते नेटवर्क पर संक्षिप्त जानकारी साझा की गई। इस अवसर पर श्री अजीताभ कुमार, अतिरिक्त महानिदेशक (प्रावधान), बिहार तथा श्रीमती रचना पाटिल, सचिव, वित्त विभाग (व्यय), बिहार सरकार, सुधीर कुमार पोरिका, डीआईजी, फायर सर्विस, श्री सुनील कुमार, निदेशक, युवा रोज़गार एवं कौशल विकास भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री मिहिर कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जेम ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित किया।

अपने संबोधन में श्री मिहिर कुमार, ने सार्वजनिक खरीद के मूल सिद्धांतों, उसमें पारदर्शिता के महत्व तथा जेम के आगामी नए संस्करण और उसकी प्रमुख विशेषताओं पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने सभी विभागों को जेम पोर्टल के माध्यम से अधिकाधिक खरीद करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में जेम पर 54 हजार से अधिक विक्रेता बिहार से जुड़े हुए हैं। यह दिखाता है कि बिहार में उद्यमिता बढ़ रही है और लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म को तेजी से अपना रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान FY 2024–25 में जेम पर सर्वाधिक खरीद करने वाले बिहार सरकार के विभागों को सम्मानित किया गया।

❐ बिहार के उद्यमियों को मिला राष्ट्रीय सार्वजनिक खरीद से जुड़ने का सशक्त मंच

इसके साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विक्रेताओं का भी सम्मान किया गया, जो न केवल बिहार बल्कि देशभर के अन्य उद्यमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। यह सम्मान केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि विश्वास, गुणवत्ता और नवाचार को अपनाने का प्रतीक है।

कार्यक्रम में बिहार के विक्रेताओं के लिए "जेम सेलर संवाद" भी आयोजित किया गया। इसमें श्री अजीत बी. चव्हाण, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जेम ने विक्रेताओं से बात की और उनकी समस्याएँ, सुझाव और अनुभव सुने। नए विक्रेताओं के पंजीकरण और मार्गदर्शन की सुविधा भी दी गई। कार्यक्रम का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि जेम स्थानीय उद्यमों को राष्ट्रीय विकास से जोड़ने और उन्हें नए अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

उमानाथ मंदिर सौंदर्यीकरण, अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

एजेंसी, पटना

बाढ़ में उत्तरायण गंगा तट पर स्थित उमानाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी प्रगति यात्रा के दौरान इस मंदिर के सौंदर्यीकरण की सौगात दी थी। इसी क्रम में दूसरे चरण में पुराने ठाकुरबाड़ी को तोड़ा गया है। मंदिर परिसर में दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध भी अगले चरण में कार्रवाई की जाएगी। मौके पर अंचलाधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह और कार्यपालक पदाधिकारी कुमारी हिमानी मौजूद रहीं। उमानाथ मंदिर कॉरिडोर के निर्माण के लिए पुराने धर्मशाला को भी गिरा दिया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान उमानाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण पर 100 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च करने का लक्ष्य रखा था। इस योजना के तहत मंदिर परिसर में मार्केट कॉम्प्लेक्स, आश्रय स्थल, सामुदायिक भवन और पार्किंग स्थल का निर्माण होना है।

पिछले साल सीएम ने

❐ पुराने ठाकुरबाड़ी को तोड़ा गया, दुकानदारों पर भी होगी कार्रवाई

जीर्णोद्धार किया था: अंचलाधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि उमानाथ मंदिर का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। पिछले साल मुख्यमंत्री ने कई योजनाओं का शिलान्यास किया था, जिसमें सती स्थान से मंदिर के पीछे तक कॉरिडोर का निर्माण भी शामिल है। विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए पुराने भवनों और अस्थाई अतिक्रमण को हटाना आवश्यक था। डॉ. सिंह ने आगे बताया कि यह कार्रवाई योजना का हिस्सा है और तीसरे चरण में भी अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई जारी रहेगी।

पटना को देश के 65 शहरों में मिला 15वां रैंक

एजेंसी, पटना

स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा में मारी बाजी, 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में हुआ सेलेक्ट

बिहार की राजधानी पटना, महाराष्ट्र के पुणे से भी बेहतर बन गया है। स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा रैंकिंग में 10 लाख की आबादी वाले शहरों की कैटेगरी में पटना को 15वां स्थान मिला है। दरअसल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की जनवरी के अंत में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए पटना का चयन किया गया है। 65 शहरों में पटना को 15वें स्थान पर रखा गया है।

टॉप 20 में 15वें स्थान पर पटना: इस कार्यक्रम में देशभर के चुनिंदा शहरों के उन प्रयासों को प्रस्तुत किया जाएगा, जिनसे सीवर और सेप्टिक टैंक में काम करने वाले सफाईकर्मियों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित हुआ है। 10 लाख से अधिक की जनसंख्या वाले टॉप 20 शहरों में पहले स्थान पर विशाखापट्नम है।

10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में बिहार से केवल पटना को शामिल किया गया है। इसके बाद जबलपुर, भोपाल, रायपुर, गाजियाबाद, ग्वालियर, नवी मुंबई, सूरत, अहमदाबाद व इंदौर को रखा गया है। वहीं, झारखंड के धनबाद जिले को 11वां स्थान मिला है जबकि, पटना 15वां स्थान पर है। इसके नीचे पुणे, राजकोट, नागपुर, जयपुर ग्रेटर (एमसी) और अलीगढ़ (एमसीओ) है।

पटना नगर निगम ने मशीनीकरण को दिया बढ़ावा: पटना नगर निगम के अनुसार पटना में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई में मशीनीकरण को बढ़ावा दिया गया है। सफाईकर्मियों को

सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं, नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है, बीमा और स्वास्थ्य सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही कर्मियों के सीवर टैंक के अंदर जा सफाई पर सख्ती से रोक लगाई गई है। मानसून में 604 कर्मियों को पीपीई किट्स दिया गया था। इन ठोस कदमों के कारण ही पटना को यह सम्मान मिला है।

ऑडियो विजुअल प्रस्तुत कर दिया जाएगा काम: राष्ट्रीय कार्यक्रम में चयनित शहरों के किए गए कार्यों को ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति और एक संकलन के माध्यम से दिखाया जाएगा। इसमें नगर निकायों की अधिसूचनाएं, उपविधियां, मानक संचालन प्रक्रियाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम, जागरूकता अभियान, वित्तीय सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा, मशीनी सफाई व्यवस्था और अन्य नवाचार शामिल होंगे।

ख़ास ख़बर

फतेहाबाद : टोहाना के मकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

लोकतंत्र की शान : फतेहाबाद। जिले के शहर टोहाना के वार्ड 12 स्थित एक मकान में गुरूवार देर रात को शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इस घटना में लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाया। दमकल कर्मचारियों ने एक बड़े हादसे को टालते हुए गैस सिलेंडर को सुरक्षित बाहर निकाला। यह घटना टोहाना के शीतला माता मंदिर रोड पर स्थित एक मकान में हुई। आग लगने का कारण बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग से घर में रखा बेड, कपड़े, फ्रिज, सोफा और कूलर सहित करीब चार से पांच लाख रुपए का सामान राख हो गया। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाडिय़ां तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग पर नियंत्रण पाया। दमकल कर्मियों ने आग की चपेट में आए कमरे से एक गैस सिलेंडर को समय रहते बाहर निकाल लिया, जिससे एक बड़ा विस्फोट टल गया। मकान मालिक अमीन सिंह ने बताया कि वह पेशे से ड्राइवर हैं, जब उन्हें आग लगने की सूचना मिली, तब वह बाजार गया हुआ था। उसकी पत्नी ने बताया कि वह टिफिन सर्विस के लिए खाना बनाने गई थी। दम्पति यहां अपने दो बच्चों के साथ एक ही कमरे में रहता था, जहां आग लगी। उनके सास-ससुर नीचे के कमरे में रहते हैं। आगजनी की सूचना के बाद वार्ड तीन के पार्षद धर्मपाल ने भी घटना स्थल का दौरा किया। उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है, पिता बीमार रहते हैं और पत्नी साफ-सफाई का काम करके गुजारा करती है। पार्षद ने सरकार से पीड़ित परिवार को हुए नुकसान की भरपाई करने की मांग की है ताकि वे अपना जीवन यापन कर सकें।

शहर की आबादी के बीच छत पर उगा दी अफीम, 252 पौधे बरामद

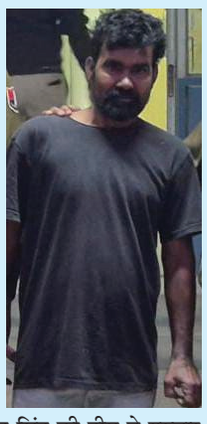

लोकतंत्र की शान : चित्तौड़गढ़। शहर की सदर चित्तौड़गढ़ थाना पुलिस की पैनी नजर के कारण चित्तौड़गढ़ शहर के सेंती में एक मकान की छत पर 10 टब के अन्दर पौधे लगा कर अफीम की खेती करने के मामले का खुलासा किया। पुलिस ने मकान की तलाशी लेकर मौके से अफीम के 352 पौधे भी जब्त किए हैं। इस मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने आबादी के बीच में छत पर अफीम की बुवाई की थी। पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ मनीष त्रिपाठी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की धरपकड़ के लिए लगातार पुलिस अभियान चला कर कार्यवाही कर रही है। इसके तहत चित्तौड़गढ़ सदर थानाधिकारी थानाधिकारी प्रेम सिंह की टीम ने गुरुवार शाम को तिलकनगर सेंती में कार्यवाही की। पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली थी कि एक मकान की छत पर अफीम की बुवाई की हुई है। इस सूचना के अनुसार मकान की तलाशी ली गई। यहां मकान की छत पर कुल 10 टब के अन्दर पौधे उगे हुवे थे। इनकी जांच की तो सामने आय कि यह अफीम के पौधे हैं। आरोपित मकान मालिक अवैध रूप से अफीम की बुवाई कर दी थी। इस पर पुलिस ने मकान मालिक तिलक नगर, सेंती निवासी उदयलाल पुत्र देवीलाल गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया। इसकी मौजूदगी में अफीम के कुल 352 पौधे जब्त किए जाएं आरोपित के कब्जे शुदा मकान से जब्त अफीम के पौधे के सम्बंध में अनुसंधान जारी हैं। मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह के मार्गदर्शन में डिप्टी बृजेश सिंह के नेतृत्व में सदर थानाधिकारी प्रेम सिंह, एसआई प्रभुसिंह, हैड कांस्टेबल सुरेंद्रसिंह, कांस्टेबल पृथ्वीपालसिंह, हेमव्रत सिंह, बलवंत सिंह, डुंगर सिंह व विनोद कुमार की टीम ने कार्रवाई की।

राजस्थान हाईकोर्ट : 33 वर्षों बाद नियुक्ति तिथि में संशोधन करवाना अनुचित

लोकतंत्र की शान : जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय की खण्ड पीठ के न्यायाधीश डॉ. पुष्पेन्द्रसिंह भाटी व संदीप शाह ने तैतीस वर्षों के बड़े अंतराल के बाद जन्मतिथि में संशोधन कराने की प्रार्थना पत्र को अस्वीकार करने के एकल पीठ के निर्णय को यथावत रखते हुए अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत अपील को खारिज किया। उल्लेखनीय है कि लच्छीराम नामक कर्मचारी की नियुक्ति वर्ष 1988 में उसके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर राजस्थान पशुपालन विश्वविद्यालय से सम्बद्ध वल्लभनगर, उदयपुर में की गयी थी। उसके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों में उसकी जन्मतिथि 18 मई 1964 थी। वर्ष 2013 में उसे वाहन चालक के पद पर पदोन्नति प्रदान की गयी थी। यह पदोन्नति भी उसकी जन्मतिथि 18 मई 1964 के आधार पर दी गई एवं समय समय पर जारी वरिष्ठता सूची में भी उसकी जन्मतिथि 18 मई 1964 ही अंकित की गयी। वर्ष 2021 में उसके द्वारा एक प्रार्थना पत्र विश्वविद्यालय के समक्ष इस बाबत प्रस्तुत किया गया कि उसकी जन्मतिथि 18 मई 1964 न होकर 18 मई 1969 है। इसके समर्थन में उसने एक डुप्लीकेट स्थानांतरण प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय द्वारा उसे डुप्लीकेट स्थानांतरण प्रमाण पत्र को अवैध मानते हुए उसे 31 मई 2024 से सेवानिवृत करने का आदेश 04 नवंबर 2023 को पारित किया। लच्छीराम द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा जारी सेवानिवृत आदेश को एकल पीठ के समक्ष चुनौती दी। एकल पीठ द्वारा उसकी रिट याचिका को खारिज किया गया। एकल पीठ के आदेश को अपीलार्थी द्वारा खण्ड पीठ के समक्ष चुनौती दी गयी। विश्वविद्यालय की ओर से अधिवक्ता प्रमेन्द्र बोहरा, नीता छंगाणी ने पैरवी करते हुए यह तर्क दिया कि प्रथमतया उसके द्वारा जन्मतिथि में संशोधन उसकी नियुक्ति के 33 वर्षों के बाद किये जाने का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है जो देरी के आधार पर ही खारिज किया जाने योग्य है। दूसरा उसके आधार कार्ड, पहचान पत्र, वोटर आई.डी., लाईसेंस वगैरह के उसकी जन्मतिथि 18 मई 1964 ही है। साथ ही विभाग द्वारा समय-समय पर उसकी वरिष्ठता सूची जारी की गयी एवं उसे पदोन्नति प्रदान की गयी तब उसने कोई आपति जाहिर नहीं की गयी। अचनाक 33 वर्षों के बाद अपनी जन्मतिथि के संशोधन डुप्लीकेट स्थानांतरण प्रमाण पत्र जारी करवाये जाने का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करना अनुचित एवं विधि विरूद्ध है। उसको नियुक्ति उसके द्वारा प्रस्तुत किये गये मूल दस्तावेज व स्थानांतरण प्रमाण पत्र के आधार पर ही दी गयी। उनमें उसकी जन्मतिथि 18 मई1964 ही है। प्रार्थी के अधिवक्ता प्रमेन्द्र बोहरा व नीता छंगाणी के तर्कों से सहमत होते हुए खण्ड पीठ ने एकल पीठ द्वारा पारित आदेश में किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं करते हुए एकल पीठ के आदेश को यथावत रखा व 33 वर्षों के असाधारण देरी के आधार पर अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत अपील को खारिज किया।

हरे माधव दरबार में श्रद्धा व उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ सतगुरु पर्व

» महापौर श्रीमती सूरी सहित जनप्रतिनिधियों ने किए बाबा ईश्वर शाह जी के दर्शन, देशभर से उमड़े श्रद्धालु

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। प्रति वर्षों की भांति इस वर्ष भी माधवनगर स्थित हरे माधव दरबार साहब प्रांगण में सतगुरु पर्व दिनांक 14 एवं 15 जनवरी को हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। दो दिवसीय इस पावन पर्व में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा, जहाँ श्रद्धालु भक्ति भाव में लीन नजर आए। सतगुरु पर्व के अवसर पर गुरुवार को महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एमआईसी सदस्यों एवं पार्षद जनप्रतिनिधियों के साथ हरे माधव दरबार पहुँचीं। इस दौरान उन्होंने सतगुरु बाबा ईश्वर शाह जी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य श्रीमती बीना बैनर्जी,सुमन राजू माखीजा,श्री सुरेन्द्र गुप्ता,पार्षद शकुंतला सोनी,वंदना राजकिशोर यादव भी उपस्थित रही। सतगुरु पर्व में देश के विभिन्न राज्यों एवं कोने-कोने से हजारों की संख्या में श्रद्धालु दरबार साहब पहुँचे। श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया। कार्यक्रम के दौरान सत्संग एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु समुचित व्यवस्थाएँ की गईं।सतगुरु पर्व ने न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया, बल्कि सामाजिक समरसता और भाईचारे का भी संदेश दिया।

रेत का अवैध परिवहन करतेट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

थाना ढीमरखेड़ा की सिलौड़ी चौकी की प्रभावी कार्रवाई

लोकतंत्र की शान,हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी: पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया एवं एसडीओपी स्लीमानाबाद श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी ढीमरखेड़ा निरीक्षक अभिषेक चौबे के नेतृत्व में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 16/01/2026 को चौकी प्रभारी सिलौड़ी उप निरीक्षक अनिल पांडे के नेतृत्व में सिलौड़ी चौकी पुलिस द्वारा बाजार भ्रमण के दौरान एक न्यू महिंद्रा ट्रैक्टर-ट्रॉली को अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहन चालक नरेंद्र चौधरी निवासी पाली द्वारा रेत परिवहन से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। पुलिस द्वारा मौके पर ही अवैध रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त कर चौकी परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया। प्रकरण में खनिज अधिनियम एवं संबंधित धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है तथा वाहन चालक के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है। उक्त कार्रवाई में चौकी प्रभारी ए.के. पांडे, प्रधान आरक्षक अतुल शर्मा, आरक्षक रामसेवक विश्वकर्मा एवं आरक्षक धर्मवीर सिंह की सराहनीय भूमिका रही। कटनी पुलिस द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान आगे भी सतत रूप से जारी रहेगा।

यमुनानगर: बल्लेवाला जोन में अवैध खनन पर प्रशासन ने की छापेमारी

लोकतंत्र की शान

यमुनानगर। यमुनानगर जिले के बल्लेवाला जोन में प्रशासन ने अवैध खनन और ओवरलोडिंग के खिलाफ देर रात कार्रवाई करते हुए माइनिंग माफिया पर कड़ा शिकंजा कसा है। शिकायतों के मद्देनज़र प्रशासन ने अचानक संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया, जिससे अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया। छछरौली के एसडीएम रोहित कुमार के नेतृत्व में प्रतापनगर के तहसीलदार आनंद रावल, थाना प्रभारी प्रतापनगर गुरदयाल सिंह तथा डीसी कार्यालय के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने बल्लेवाला क्षेत्र में गुरुवार की रात दबिश दी। जांच के दौरान खनन सामग्री से लदे 6 डंपरों को रोका गया, जो तय मानकों से अधिक भार लेकर परिवहन कर रहे थे। प्रशासन ने मौके पर कार्रवाई करते हुए नियमों का गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर चार डंपरों को सीज कर दिया, जबकि 2 डंपरों पर मोटर वाहन अधिनियम और खनन नियमों के तहत भारी जुर्माना लगाया गया है। अधिकारियों के अनुसार ओवरलोडिंग न केवल वैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है, बल्कि इससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती है और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बल्लेवाला क्षेत्र में रात के समय अवैध खनन और ओवरलोड वाहनों की आवाजाही को लेकर लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं। इन्हीं शिकायतों को आधार बनाकर यह लक्षित कार्रवाई की गई। उपायुक्त प्रीति पहले ही स्पष्ट कर चुकी हैं कि अवैध खनन और ओवरलोडिंग के प्रति जिला प्रशासन 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर काम कर रहा है।

झज्जर पुलिस ने मुठभेड़ में बदमाश को दबोचा, एएसआई घायल

लोकतंत्र की शान

झज्जर। शहर में गुरुवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक बदमाश और एक पुलिस कर्मचारी गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस कर्मचारी को झज्जर के एक निजी अस्पताल में और बदमाश को पंडित भगवत दयाल शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (पीजीआईआईएमएस) रोहतक में भर्ती करवाया गया है। मुठभेड़ उस समय हुई जिस समय पुलिस अवैध हथियार होने के संदेह में बदमाश को पकड़ने के लिए गई थी। झज्जर बाईपास पर सुर्खपुर मोड़ के पास बदमाशों और पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स के बीच हुई मुठभेड़ में दोनों ओर से गोलियां चली। पुलिस कर्मचारी की जांघ में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हुए। जबकि बदमाश पंकज के पांव में गोली लगने से वह भी घायल हो गया। इलाज से पुलिस कर्मचारी की हालत में सुधार हुआ है। पीजीआई रोहतक में दाखिल बदमाश पंकज का भी इलाज किया जा रहा है। पंकज झज्जर जिला के गांव डीघल का निवासी है। एसटीएफ की यह टीम उसे समय पंकज के कब्जे में अवैध हथियार होने की जानकारी मिलने पर छापा मारने गई थी। बताया गया है कि पुलिस के वाहन को देखते ही बदमाशों ने गोलियां चलानी शुरू कर दी। बचाव में पुलिस टीम ने भी फायरिंग आरंभ की। मुठभेड़ के बीच एसटीएफ टीम के सहायक उप निरीक्षक प्रवीण की जांघ में गोली लगी। बदमाश पंकज को पुलिस की गोली पांव में लगी। बताया गया है कि कुछ बदमाश भागने में सफल रहे। ईएसआई प्रवीण और घायल बदमाश को पुलिस टीम ने अस्पतालों में भर्ती करवाया। मुठभेड़ में पुलिस कर्मचारियों की घायल होने की जानकारी मिलने पर पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। पुलिस आयुक्त डॉ. राजश्री सिंह सहित तमाम बड़े अधिकारी और अन्य पुलिस कर्मचारी ऑस्कर अस्पताल पहुंचे। पुलिस उपायुक्त (क्राइम) अमित दहिया, झज्जर की पुलिस उपायुक्त लोगेश कुमार भी अस्पताल में और घटनास्थल पर भी पहुंचे। मौके से भागे बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस तलाशी अभियान चला रही है। बदमाशों की संभावित ठिकानों पर दबिश जीत रही है और उनके परिजनों से भी पूछताछ की गई है।

सैन्य अधिकारी बनकर डॉक्टर से 1.98 लाख का फ्रॉड

लोकतंत्र की शान

जोधपुर। शहर के महामंदिर रेलवे क्रॉसिंग के समीप रहने वाले एक डॉक्टर से शातिर ने ऑपरेशन सिंदूर में सैनिकों की मेडिकल हैल्थ चैकअप के नाम पर फ्रॉड कर दिया। शातिर ने बैंक खाते से 1.98 लाख का फ्रॉड किया। घटना मई की है। पीड़ित डॉक्टर को जब ठगी का अहसास हुआ तो वे थाने पहुंचे मगर केस साइबर फ्रॉड का बताकर टाल दिया गया। तकरीबन नौ माह बाद अब कोर्ट में इस्तगासे के माध्यम से यह केस दर्ज हुआ है। अब पुलिस ने पड़ताल आरंभ की है। मामले में महामंदिर रेलवे क्रॉसिंग के समीप मेहता भवन में रहने वाले डॉक्टर अरविन्द मेहता पुत्र रमेशमल मेहता ने यह रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार उनका उक्त पते पर ही क्लिनिक आया है। गत 6 मई 25 को किसी शख्स ने फोन कॉल किया और उसने अपना परिचय भारतीय सेना का अधिकारी हूँ कहकर दिया। उसने कहा कि अभी ऑपरेशन सिन्दूर के लिए बोर्डर के लिये हमारी युनिट से सैनिक भेजने है जिसके लिये हम अपने यूनिट के सैनिको को आपके पाम 10-10 व्यक्तियो को भेजेंगे उसका चैकअप करके भेजना है। भुगतान के लिए हमारे यूनिट का आर्मी कार्ड होता है, वह भुगतान के लिये अपने डिटेल में भेजना होगा। इस पर डॉक्टर मेहता उसकी बातों में आ गए। बाद में उस शख्स ने कहा कि आप अपने खाते का पूरा विवरण के साथ हम जो कार्ड भेज रहे है उस कार्ड की डिटेल अपने खाते में डालने पर आपके खाते में राशि प्राप्त हो जाएगी। डॉक्टर मेहता ने अपनी पत्नी के बैंक खाते की डिटेल कार्ड में एड किया तब पत्नी के बेक खाते में 1 लाख 98 हजार 525 रूपए निकल गए। ऐसे में तत्काल ठगी का अहसास हो गया।

पुलिस ने दर्ज नहीं किया प्रकरण :रिपोर्ट में बताया कि वे बाद में महामंदिर थाने गए थे और पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने पर आनाकानी की है और कहा कि आप साइबर में रिपोर्ट दें और कहा कि कल आ जाना हम आपकी राशि वापिस दिलवा देंगे जिस विश्वास के साथ मैं उनकी बातों पर विश्वास करता रहा। लेकिन मेरी प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इसकी ऑन लाइन शिकायत दर्ज की गई। बाद में 30 अक्टूबर को महामंदिर थाने और पुलिस आयुक्तालय को डाक से प्रेषित की, मगर केस दर्ज नहीं किया गया। अब कोर्ट के मार्फत यह केस दर्ज कराया गया है।

श्री श्रीयादे माता जयंती 20 को : सोमवार को भजन संध्या का आयोजन

लोकतंत्र की शान

जोधपुर। कुम्हार (प्रजापति) समाज की आराध्य देवी भक्त शिरोमणि श्री श्रीयादे माता जयन्ती इस साल भी धूमधाम से मनाई जाएगी। जयंती कार्यक्र म की शुरूआत सोमवार 19 जनवरी को होगी। मंगलवार को इसका समापन होगा। कुम्हार प्रजापति समाज की तरफ से तैयारियां जोरों पर है। यह जानकारी श्रीयादे माता जयंती महोत्सव समिति के अध्यक्ष धर्मन्द्र गुडिय़ा ने संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय विशाल समारोह के सफल आयोजन के लिए 40 से अधिक प्रखण्डों में विभाजित किया गया है तथा सभी क्षेत्रों में बैठकें आयोजित की गई है। इस समारोह में प्रथम दिन माघ सुदी एकम् सोमबार 19 जनवरी को सायं 5 बजे श्री श्रीयादे माता मन्दिर रातानाडा पर विराट भजन संध्या का आयोजन होगा। इस भजन संध्या में कालुराम प्रजापति, पन्नालाल टटवाडिया, चेतन ऐणिया के नेतृत्व में समाज के जाने माने भजन गायक अपने भजनों से भक्ति रस की सरिता बहाऐंगे। सचिव भंवरलाल ओडिया मंगलवार को भव्य शोभायात्रा का आयोजन होगा। इस भव्य शोभायात्रा में 9 रथों में सवार नवदुर्गा की झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। यह शोभायात्रा रातानाडा से प्रारम्भ होकर नई सडक़, घण्टाघर, कन्दोई बाजार, कटला बाजार, सिटी पुलिस, सर्राफा बाजार, आडा बाजार, कुम्हारियां कुआं, जालोरी गेट, गोलबिल्डिंग, सरदारपुरा बी रोड होते हुए गांधी मैदान पहुंचकर विर्सजित होगी। संरक्षक केशव कवाडिया, रामकिशोर सोतवाल व हुकमाराम सिंघाटिया ने बताया कि इस शोभायात्रा में झांकियों के साथ ही ऊंट, घोड़ें, रथ के अलावा व्यायामशाला के कार्यकर्ताओं द्वारा हैरतअंगेज व्यायाम प्रदर्शन किए जाऐंगे। नौपत शहनाई व विभिन्न बैण्डों द्वारा मधुर ध्वनि से स्वर लहरियां बिखेरेंगें।

दिनदहाड़े चोरी का खुलासा, आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

हल्द्वानी। बद्रीपुरा क्षेत्र में हुई दिनदहाड़े चोरी की घटना का नैनीताल पुलिस ने सफल खुलासा कर दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टी.सी. के निर्देशों पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किए गए जेवरात, नकदी और जमीन की रजिस्ट्री बरामद की है। 15 जनवरी 2026 को बद्रीपुरा निवासी दया नेगी ने कोतवाली हल्द्वानी में तहरीर देकर बताया था कि एक व्यक्ति किराएदार बनकर उनके घर आया और बातचीत के दौरान मौका पाकर घर से सोने-चांदी के जेवरात, करीब दस हजार रुपये नकद, साड़ियाँ और जमीन की रजिस्ट्री चोरी कर फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी नैनीताल के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने अभियुक्त वीरेंद्र सिंह बिष्ट निवासी सोमेश्वर, जिला अल्मोड़ा को बरेली रोड मेडिकल कॉलेज गेट के पास से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने अभियुक्त के पास से एक मंगलसूत्र, चांदी की पायल, बाली, बिछुए, सिक्के, 8 हजार नगद, जमीन की रजिस्ट्री और लोहे का बक्सा बरामद किया है। आरोपित के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। नैनीताल पुलिस नेआमजन से अपील की है कि अज्ञात व्यक्तियों को किराए पर रखने से पहले उनका पुलिस सत्यापन अवश्य कराएं, ताकि इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

दिल्ली में मंदिर दरगाह पर बुलडोजर कार्यवाही पर शांति प्रार्थना प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान

हल्द्वानी। दिल्ली के झंडेवाला क्षेत्र में स्थित मंदिर दरगाह बाबा श्री पीर रतन नाथ जी महाराज के स्थान पर डीडीए एवं एमसीडी द्वारा की गई बुलडोज़र कार्रवाई पर हल्द्वानी मंडल द्वारा पुरजोर विरोध किया । मंदिर ट्रस्ट द्वारा मुख्यमंत्री दिल्ली एवं अन्य विभागीय अधिकारियों से ध्वस्त करी गई बिल्डिंग, सेवा स्थल, आदि का विरोध किया गया एवं मंदिर ट्रस्ट की जमीन वापस देने का आग्रह भी किया गया । इस कार्रवाई में मंदिर के लंगर हॉल एवं श्री भगवान जी की तुलसी वाटिका को भारी नुकसान पहुंचाया गया साथ ही बिजली एवं पानी की व्यवस्था काट दी गई, जिससे श्री भगवान जी की सेवा में अत्यधिक परेशानी उत्पन्न हुई । यह स्थान प्राचीन सिद्ध श्री गुरु गोरखनाथ जी का है, जो लगभग 1500 वर्ष पुराना समृद्ध स्थल है । दिल्ली में यह स्थान मंदिर दरगाह बाबा श्री पीर रतन नाथ जी के नाम से प्रसिद्ध है । यह परंपरा 1947 से निरंतर चली आ रही है, जिसमें प्रतिदिन प्रातः 4:30 बजे से श्री भगवान जी की आरती, हवन, श्री सुंदरकांड का पाठ, श्री रामायण का पाठ तथा पूरे दिन राम नाम का कीर्तन होता है । इस प्रसिद्ध स्थान पर शिवरात्रि एवं चैत्र नवरात्रि के अवसर पर दो बड़े मेले लगते हैं, जिनमें देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं । इन श्रद्धालुओं के लिए लंगर की व्यवस्था इसी स्थान द्वारा की जाती है, जिसे डीडीए और एमसीडी द्वारा तोड़ दिया गया है । हल्द्वानी मंडल द्वारा व्यवस्था को शीघ्रातिशीघ्र पुनः बहाल कराया जाए तथा इस पवित्र स्थल को उसके मूल स्वरूप में लौटाया जाने का दिल्ली सरकार से अनुरोध किया गया । हल्द्वानी मंडल द्वारा राम नाम जप के साथ शांति प्रार्थना प्रदर्शन किया गया । विरोध करने वालों में श्री रतन सेवादार हल्द्वानी मंडल का प्रधान शिव राजपाल, सेवादार रक्षित आहूजा, टेकचंद कपूर, जय किशन कपूर, द्वारिका नाथ कपूर, मनोज कपूर, अमरनाथ सपरा, शिवांग कपूर, शम्मी कपूर, मधुबाला कपूर, श्वेता कपूर, साधना कपूर, अनीता राजपाल, नीना कपूर, स्नेह लता कपूर, शशि आहूजा, चारु कपूर, शिखा आहूजा, आदि उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू कश्मीर के पुलवामा में तापमान -4.6°

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। जम्मू कश्मीर के पुलवामा में गुरुवार रात इस सीजन की सबसे ठंडी रही। यहां का तापमान -4.6°C रहा। वहीं, हरियाणा के हिसार में सर्दी से पिछले दो साल का रिकॉर्ड टूट गया। यहां का तापमान 0.2 डिग्री दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश के 35 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। कोहरे की वजह से 24 घंटे में पूरे यूपी में 8 हादसे हुए। इन हादसों में 24 गाड़ियां टकराईं। हादसे में 1 व्यक्ति की मौत हुई वहीं 40 लोग हायल हो गए। पंजाब के जालंधर में कोहरे के चलते राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का आज का दौरा रद्द हो गया है। उनकी फ्लाइट अमृतसर से टेकऑफ नहीं कर सकी। उन्हें जालंधर NIT में दीक्षांत समारोह में शामिल होना था। उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जिले के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बारिश के साथ बर्फबारी होने की संभावना है। उत्तरकाशी में गंगोत्री नेशनल पार्क, भागीरथी नदी और जाड गंगा झरना जम चुका है। उधर, दिल्ली में पांच दिन की शीतलहर के बाद सर्दी से थोड़ी राहत मिली। शहर का न्यूनतम तापमान 4.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो एक दिन पहले के मुकाबले लगभग दो डिग्री ज्यादा था।

सांसद चंद्रशेखर के करीबी की ड्रग फैक्ट्री पर छापा

रतलाम। रतलाम जिले के चिकलाना गांव में पुलिस ने एमडी ड्रग बनाने की अवैध फैक्ट्री का खुलासा किया है। कालूखेड़ा थाना क्षेत्र में गुरुवार रात करीब ढाई बजे की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने मौके से 10 किलो से अधिक तैयार एमडी ड्रग, करीब 3 करोड़ रुपए मूल्य का केमिकल, 12 बोर की बंदूक, 91 कारतूस, दो मोर और चंदन की लकड़ियां बरामद की हैं। पुलिस ने छापे के दौरान 16 लोगों को हिरासत में लिया। करीब 12 घंटे तक चली कार्रवाई के बाद शुक्रवार दोपहर 3 बजे घर के अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकाला गया। महिलाओं को भी गिरफ्तार कर सीधे कालूखेड़ा थाने ले जाया गया। इस दौरान गांव में भारी पुलिस बल तैनात रहा। ग्रामीण आरोपियों का जुलूस निकालने की मांग करते रहे। जब आरोपियों को पुलिस वाहन में बैठाया जा रहा था, तब ग्रामीणों ने "जय जय श्री राम" के नारे भी लगाए। पुलिस के अनुसार, जिस मकान में फैक्ट्री चल रही थी, वह दिलावर खान पठान का है। दिलावर चिकलाना गांव का निवासी है और आजाद समाज पार्टी से जुड़ा रहा है। वह यूपी के नगीना से सांसद चंद्रशेखर का करीबी बताया जा रहा है। दिलावर 2023 में जावरा विधानसभा सीट से चुनाव भी लड़ चुका है और पार्टी का प्रदेश पदाधिकारी भी रहा है।

गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला किया

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में एक युवक के पवित्र सरोवर में कुल्ला करते हुए रील बनाई गई है। वीडियो को 'मुस्लिम शेर' लिखकर सोशल मीडिया पर डाला गया है। जो युवक कुल्ला करता दिखाई दे रहा है, उसे मुस्लिम टोपी पहनी हुई है। ये वीडियो सामने आने के बाद इसका विरोध शुरू हो गया है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) के मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मनन ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि वीडियो की जांच होगी। अगर यह ओरिजिनल है तो फिर उस वक्त सेवादार कहां थे, इसकी जांच की जाएगी। बता दें कि SGPC की तरफ से पहले ही धार्मिक भावनाओं को देखते हुए गोल्डन टेंपल परिसर में रील बनाने को लेकर रोक लगाई गई है। इसके लिए वहां सेवादारों की ड्यूटी लगाई गई है कि वे किसी को वहां इस तरह का आपत्तिजनक वीडियो न बनाने दें। इस संबंध में 13 सेकेंड की रील वायरल हो रही है। इसमें दिख रहा है कि गोल्डन टेंपल के सरोवर में एक युवक पैर डालकर बैठा है और मुंह धो रखा है। इस दौरान वह 3 बार मुंह में पानी भरकर कुल्ला करता है और एक बार उस पानी को दोबारा सरोवर में ही थूक देता है। इसके बाद वह मुंह धोता है और फिर अंगुलियों से सामने गोल्डन टेंपल को भी दिखाता है। इस दौरान युवक ने काले रंग की जैकेट और जींस पहनी है और सिर पर काले रंग की मुस्लिम टोपी पहनी हुई है। SGPC के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि सचखंड श्री हरिमंदर साहिब के पावन सरोवर में युवक की तरफ से की गई हरकत मर्यादा के विपरीत है। उन्होंने इस हरकत की निंदा करते हुए कहा कि गोल्डन टेंपल सिख धर्म का सर्वोच्च और अत्यंत पवित्र धार्मिक स्थल है। इस तरह की घटनाओं से सिखों की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचती है। उन्होंने कहा कि श्री हरिमंदर साहिब सिर्फ सिखों ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए आस्था का प्रतीक है। यहां मर्यादा, परंपरा और नियमों का पूर्ण रूप से पालन करना चाहिए। इससे पहले गोल्डन टेंपल में गुजरात की एक युवती के योगा करने पर विवाद हो चुका है। 2 साल पहले इंटरनेशनल योग दिवस पर अर्चना मकवाना नाम की युवती ने गोल्डन टेंपल में योग कर उसकी फोटो शेयर कर दी थीं। इसमें वह ध्यान और शीर्ष आसन में नजर आ रही है। यह योगासन उसने गोल्डन टेंपल के परिक्रमा मार्ग में किए। इसके बाद उसने खुद ही यह फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि वह वाहेगुरू जी का शुक्रिया करती है कि उसे उनके स्थान से योगा की पावर को फैलाने में मदद मिली। SGPC के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने कहा था कि गोल्डन टेंपल में इस तरह के काम करना सिख मर्यादा के खिलाफ है। इस मामले में SGPC ने युवती के खिलाफ FIR भी दर्ज कराई थी।

अश्लील कमेंट्स से विवादों में घिरे यो यो हनी सिंह

लुधियाना। मशहूर सिंगर-रैपर यो यो हनी सिंह अब नए विवाद में घिर गए हैं। 2 दिन पहले दिल्ली कॉन्सर्ट में स्टेज से उन्होंने ठंड के बहाने खुलेआम अश्लील बातें करनी शुरू कर दीं। इस दौरान फैंस उनका वीडियो बनाते रहे और वह युवाओं को अश्लीलता के लिए उकसाते रहे। वीडियो वायरल होने के बाद पंजाबी सिंगर जसबीर जस्सी भड़क गए। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा- यो यो हनी सिंह ने सभी हदें पार कर दी। मैं इसके बारे में कहना नहीं चाहता था लेकिन इसने सभी सीमाएं लांघ दी इसलिए कहना पड़ा। यह फिर से शुरू हो गया है और अब यह रुकने वाला नहीं है। जस्सी ने कहा कि मेरी हनी सिंह के माता पिता व बहन से अपील है कि आप लोगों के कहने से यह रुक सकता है नहीं तो यह आगे बढ़ता जाएगा और इससे एक गलत मैसेज चला जाएगा। हालांकि विवाद बढ़ने पर हनी सिंह ने माफी मांग ली। हनी सिंह इससे पहले भी गानों में अश्लील डांस और शब्दों को लेकर विवादों में रह चुके हैं। हालांकि 2014 से 2018 तक वो म्यूजिक इंडस्ट्री से गायब रहे। फिर उन्होंने इसकी वजह डिप्रेशन, एंग्जाइटी व मानसिक परेशानी बताई थी। कुछ दिन पहले ही हनी सिंह के एक पुराने गीत को लेकर जालंधर के भाजपा नेता ने DGP को शिकायत भी भेजी थी। जिसमें उन्होंने हनी सिंह के गाने में अश्लील डांस और बिकिनी गर्ल्स को लेकर कड़ा एतराज जताया था। पहले दी गाली, फिर अश्लील बातें करने लगे: 14 जनवरी की रात को कड़ाके की ठंड में यो-यो हनी सिंह का कॉन्सर्ट था। बड़ी गिनती में लोग वहां पहुंचे थे और हनी सिंह गा रहे थे। इसी बीच वो रुके और फिर दिल्ली की ठंड का जिक्र करने लगे।

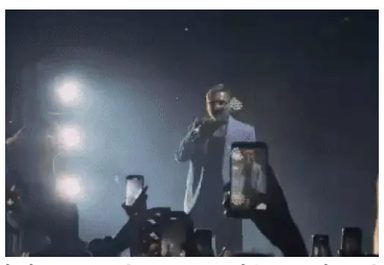

30 साल के बाद मुंबई में ठाकरे परिवार सत्ता से बाहर

एजेंसी, मुंबई

- मुंबई में पहली बार बीजेपी का मेयर बन सकता है, 4 साल से चुनाव न होने से पद खाली

मुंबई के इतिहास में पहली बार भाजपा का मेयर हो सकता है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव रिजल्ट में भाजपा गठबंधन को कुल 227 सीटों में से 118 सीटों पर बढ़त हासिल है। जिसमें से भाजपा 90, शिवसेना शिंदे 28 सीटों पर आगे चल रही है। आजादी के बाद 77 सालों से मुंबई नगर निगम पर कांग्रेस और शिवसेना का ही कब्जा रहा है। 1947 से 1967 तक यानी 20 साल तक कांग्रेस का मेयर रहा। वहीं 1992 से लेकर 2022 यानी 30 सालों तक मेयर की कुर्सी पर शिवसेना काबिज रही। पिछले नगर निगम चुनाव फरवरी 2017 में हुए थे। मुंबई के मेयर का पद संभालने वाली आखिरी शख्स शिवसेना की किशोरी पेडनेकर थीं, जिन्होंने 22 नवंबर 2019 से 8 मार्च 2022 तक यह पद संभाला था। हालांकि तब शिवसेना में बंटवारा नहीं हुआ था। उसके बाद से यह पद खाली था। तब से, BMC के प्रशासन की जिम्मेदारी नगर आयुक्त संभाल रहे हैं।

कैसे होता है मेयर का चुनाव: बीएमसी में अलग-अलग वार्डों से चुनकर कुल 227 पार्षद आते हैं, जिन्हें मुंबई में नगर सेवक या फिर कॉरपोरेटर कहा जाता है। जिस पार्टी का बहुमत होता है, उसी की मेयर पद की उम्मीदवारी में सबसे बड़ी दावेदार होती है। नगर निकाय चुनाव में जीतकर आने वाले पार्षद ही मेयर का चुनाव करते हैं। मेयर का कार्यकाल 2.5 साल का होता है, वहीं पार्षद 5 साल के लिए चुने जाते हैं। एक मेयर का कार्यकाल पूरा होने के बाद दूसरे मेयर का चुनाव होता है।

मेयर के पास क्या-क्या पावर होती है: बीएमसी में मेयर और कमिश्नर दो पद सबसे बड़े होते हैं। मेयर नगर निगम की बैठकों की अध्यक्षता करते हैं। शहर का औपचारिक प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रस्तावों और बहसों पर चर्चा करते हैं। मतलब मेयर का काम ज्यादातर औपचारिक और प्रतिनिधित्व तक सीमित होता है। जबकि असली प्रशासनिक और कार्यकारी जिम्मेदारी कमिश्नर के पास होती है। कमिश्नर शहर का रोजमर्रा प्रशासन चलाते हैं। बजट, शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और कर्मचारियों का कंट्रोल उनके हाथ में होता है। कमिश्नर आम तौर पर IAS अधिकारी होते हैं।

BMC चुनाव क्यों है खास: 74,000 करोड़ रुपए के बजट वाली एशिया की सबसे बड़ी सिविक बॉडी BMC पर बिना ब्रेक शिवसेना ने (1997-2017) तक राज किया था। तब BJP उसकी सहयोगी थी।

अमेरिकी सांसद ने पूछा- क्या आदमी प्रेग्नेंट हो सकता है

- भारतवंशी डॉक्टर बोलीं- ये पॉलिटिकल सवाल, कई पेशेंट ऐसी जो खुद को महिला नहीं मानतीं

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका की सीनेट में हुई एक सुनवाई के दौरान प्रेग्नेंसी और जेंडर को लेकर तीखी बहस हुई। इस दौरान भारतीय मूल अमेरिकी स्त्री रोग एक्सपर्ट डॉ. निशा वर्मा ने इस सवाल का सीधा जवाब देने से इनकार कर दिया कि क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं। सुनवाई के दौरान रिपब्लिकन सांसद जोश हॉले ने डॉ. वर्मा से पूछा था की- 'क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं?' इस पर डॉ. वर्मा ने सीधा हां या ना में जवाब नहीं दिया। उन्होंने इसे पॉलिटिकल सवाल बताया। डॉ. वर्मा ने कहा कि वे ऐसे मरीजों का इलाज करती हैं जो खुद को महिला नहीं मानते। दरअसल गुरुवार को अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में 'हेल्थ, एजुकेशन, लेबर और पेंशेंट कमेटी' की सुनवाई हुई। इसका मकसद 'महिलाओं की सुरक्षा: केमिकल अबॉर्शन दवाओं के खतरों को उजागर करना' था। डॉ. निशा वर्मा डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से गवाही देने पहुंची थीं।

सीनेटर जोश हॉले- क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं? डॉ. निशा वर्मा- मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस सवाल का मकसद क्या है। सीनेटर जोश हॉले- इसका मकसद एक जैविक सच्चाई को समझना है। क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं? डॉ. निशा वर्मा- मैं ऐसे लोगों का इलाज करती हूं जिनकी पहचान अलग-अलग होती है। सीनेटर जोश हॉले- क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं?

डॉ. निशा वर्मा- जैसा कि मैं कह रही हूं: सीनेटर जोश हॉले- आपने कहा कि विज्ञान और सबूतों से फैसले होने चाहिए। क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं? आप डॉक्टर हैं। डॉ. निशा वर्मा- विज्ञान और सबूतों से ही इलाज को दिशा मिलनी चाहिए। सीनेटर जोश हॉले- क्या विज्ञान और सबूत यह बताते हैं कि पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं? डॉ. निशा वर्मा- मुझे लगता है कि ऐसे हां-ना वाले सवाल राजनीति के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह- बैठने वाली सीट के नाम नदियों पर

एजेंसी, नई दिल्ली

- बीटिंग रिट्रीट की गैलरी भी वाद्ययंत्रों के नाम पर होगी, सीट से वीआईपी, वीवी आईपी का स्टिकर हटेगा

गणतंत्र दिवस समारोह में केंद्र सरकार सालों से चले आ रहे VIP कल्चर को खत्म करने जा रही है। परेड देखने के लिए आए मेहमानों की कुर्सियों पर अब VVIP, VIP और डिग्निटी नहीं लिखा होगा। इसकी जगह नदियों के नामों का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके अलावा बीटिंग रिट्रीट समारोह के लिए गैलरी का नाम संगीत वाद्ययंत्रों के नाम पर रखा है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। सरकार का मानना है कि इस बदलाव से आम आदमी और वीआईपी के बीच अंतर कम होगा। भारतीय संस्कृति, विरासत और समानता को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही हर नागरिक खुद को बराबर महसूस कर सकेगा।

यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष 77वें गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि: यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट, उर्सुला वॉन डेर लेयेन 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य मेहमान के तौर पर शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत और यूरोपीय संघ (EU) 2004 से रणनीतिक साझेदार हैं।

नीदरलैंड से मां को ढूंढने भारत आए मेयर कहा- कर्ण को कुंती से मिलने का अधिकार

एजेंसी, एम्स्टर्डम

- 41 साल पहले मां ने शेल्टर होम में छोड़ा था

नागपुर में साल 1985 में एक अविवाहित मां ने अपने 3 दिन के बच्चे को एक शेल्टर होम में छोड़ दिया था। एक महीने बाद नीदरलैंड से भारत घूमने आए एक कपल ने उसे गोद ले लिया और अपने साथ ले गए। इस घटना को 41 साल बीत चुके हैं। वह बच्चा अब नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम के पास एक शहर हीमस्टेड का मेयर बन गया है। हीमस्टेड के मेयर फाल्गुन बिन्नेन्डिज्क अब अपनी मां को ढूंढना चाहते हैं। वे आखिरी बार दिसंबर 2025 में भारत आए थे। ये जानकारी अब सामने आई है। फाल्गुन का कहना है- मैंने महाभारत पढ़ी है और मुझे लगता है कि हर कर्ण को कुंती से मिलने का अधिकार है। मैं अपनी मां से सिर्फ एक बार मिलना चाहता हूं और बताना चाहता हूं कि मुझे बड़े प्यार से बड़ा किया गया है।

शेल्टर होम की नर्स ने 'फाल्गुन' नाम रखा: फाल्गुन का जन्म 10 फरवरी, 1985 में हुआ। उनकी मां उन्हें नागपुर के 'मातृ सेवा संघ' नाम के एक शेल्टर होम में छोड़ गई थीं, जहां वे करीब एक महीने तक रहे। शेल्टर होम की नर्स ने उन्हें फाल्गुन नाम दिया। हिंदू कैलेंडर के मुताबिक, फाल्गुन महीने में ही बच्चे का जन्म हुआ था। फाल्गुन 2025 में तीन बार भारत आए। उन्हें एक अधिकारी की मदद से शेल्टर होम की उस नर्स का पता चला, जो फाल्गुन के जन्म के समय वहां काम करती थीं। वे अब रिटायर हो चुकी हैं। फाल्गुन अगस्त 2025 में नागपुर आए थे। नागपुर कलेक्टर विपिन इटांकर की मदद से वे उस नर्स के घर भी गए, जहां उन्हें पता चला कि उनका नाम नर्स ने ही रखा था। नर्स से मिलकर फाल्गुन ने कहा, 'मैं उनसे मिलकर बहुत खुश हुआ। उस महिला से मिलना एक कभी न भूलने वाला अनुभव था, जिसने मुझे मेरी पहचान दी।'

समाज के डर से फाल्गुन को अविवाहित मां ने छोड़ा था: नागपुर नगर पालिका आयुक्त अभिजीत चौधरी ने फाल्गुन के जन्म से जुड़े दस्तावेज ढूंढने में मदद की। दस्तावेजों में ये जानकारी सामने आई कि फाल्गुन की मां एक 21 साल की अविवाहिता थीं, जो समाज के डर से उनका पालन-पोषण नहीं कर सकती थीं। इसलिए उन्हें शेल्टर होम में छोड़ गईं। दस्तावेजों में फाल्गुन और उनकी मां का नाम दर्ज है। हालांकि फाल्गुन ने उनकी मां का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। मातृ सेवा संघ अनाथ बच्चों और पीड़ित महिलाओं के लिए बनाया गया एक शेल्टर होम है। शेल्टर होम के अधिकारियों के मुताबिक यहां अक्सर अविवाहित माताएं अपने नवजात बच्चों को छोड़ जाती हैं। फाल्गुन नीदरलैंड में डच दंपत्ति के घर पले-बढ़े। उन्होंने छोटी उम्र में ही ये बात जान ली थी कि उनकी जड़ें भारत में है। बचपन में उन्हें भारत के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी, लेकिन जैसे-जैसे वे बड़े हुए, उनके मन में अपनी मां से मिलने की इच्छा जागने लगी। फाल्गुन 2006 में पहली बार भारत आए। उन्होंने दक्षिण भारत की यात्रा की और वहां तरह-तरह के पकवान भी खाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें पहली बार भारत आकर ही भारतीय संस्कृति से जुड़ाव महसूस होने लगा। फाल्गुन को लगा कि वे भारत की जगहों और लोगों को काफी समय से जानते हैं।

बीजेपी को 20 जनवरी को नया अध्यक्ष मिलेगा, चुनाव नोटिफिकेशन जारी

एजेंसी, नई दिल्ली

- कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन का चुना जाना लगभग तय

भाजपा को 20 जनवरी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। पार्टी ने इसके लिए शुक्रवार को नोटिफिकेशन जारी किया। इसके मुताबिक 19 जनवरी को नामांकन भरा जाएगा। 20 जनवरी को नए पार्टी अध्यक्ष का ऐलान होगा। अभी नितिन नबीन पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। पार्टी उन्हें ही निर्विरोध अध्यक्ष चुन सकती है। न्यूज एजेंसी ANI ने 13 जनवरी को सूत्रों के हवाले से खबर दी थी कि नितिन नबीन 19 जनवरी को नामांकन भरेंगे। नितिन नबीन को 14 दिसंबर 2025 को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया गया था। भाजपा ने साल 2020 में जेपी नड्डा को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया था। 2024 में उनका कार्यकाल खत्म हुआ था। तब से वे एक्सटेंशन पर थे। नड्डा अभी केंद्र में स्वास्थ्य मंत्रालय संभाल रहे हैं।

BJP के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर ने शेड्यूल जारी किया: बीजेपी के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर के लक्ष्मण ने चुनाव का शेड्यूल जारी किया। इसके मुताबिक, पार्टी प्रमुख के चुनाव के लिए नॉमिनेशन 19 जनवरी को दोपहर 2 बजे से 4 बजे के बीच भरे जाएंगे और उम्मीदवार उसी दिन शाम 5 बजे से 6 बजे के बीच अपना नॉमिनेशन वापस ले सकते हैं। लक्ष्मण ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो 20 जनवरी को वोटिंग होगी और उसी दिन नए चुने गए राष्ट्रीय अध्यक्ष की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। पूरी चुनाव प्रक्रिया दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में ही होगी।

अगर नितिन ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बने, तो सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे: फिलहाल नितिन नबीन को पार्टी ने राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है। उनकी उम्र 45 साल है। भविष्य में नितिन को ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाता है तो वे राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने वाले सबसे युवा नेता होंगे। नितिन के कार्यकारी अध्यक्ष बनने के साथ ही भाजपा में 80% युवाओं को आगे लाने का रास्ता साफ हो गया है।

इंदौर में राहुल गांधी की मीटिंग को नहीं मिली मंजूरी

- अब सिर्फ बॉम्बे हॉस्पिटल और भागीरथपुरा जाएंगे, दूषित पानी से अब तक 24 मौतें

एजेंसी, भोपाल

इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी के कारण अब तक 24 लोगों की मौत के बाद हालात का जायजा लेने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार 17 जनवरी को इंदौर आ रहे हैं। हालांकि, इस दौरान इंदौर में कांग्रेस नेताओं और नगरीय जनप्रतिनिधियों के साथ प्रस्तावित बैठक को प्रशासन से अनुमति नहीं मिल पाई है। कांग्रेस ने प्रदेशभर के पार्षदों, महापौरों, नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्षों व उपाध्यक्षों के साथ राहुल गांधी की बैठक के लिए अभय प्रशाल और आनंद मोहन माथुर सभागार में कार्यक्रम प्रस्तावित किया था। इसके लिए करीब एक हजार लोगों की मौजूदगी की अनुमति मांगी गई थी, लेकिन जिला प्रशासन ने बैठक को मंजूरी नहीं दी। कांग्रेस के संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले ने बताया कि प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने के कारण बैठक को रद्द करना पड़ा है।

हरकी पैड़ी पर 'अहिन्दू प्रवेश निषेध क्षेत्र' के पोस्टर

एजेंसी, हरिद्वार

- हिंदू संगठन बोला- गैर हिंदू सरकारी अधिकारियों, पत्रकारों की एंट्री बैन हो, 1916 के एक्ट का हवाला

हरिद्वार में 2027 में अर्धकुंभ होने वाला है, लेकिन इससे पहले ही इस क्षेत्र में गैर हिंदुओं के एंट्री बैन करने की मांग तेज हो गई है। इसी बीच आज हरिद्वार की हरकी पैड़ी क्षेत्र में 'अहिन्दू का प्रवेश निषेध क्षेत्र, आज्ञा से म्यूनिसिपल एक्ट हरिद्वार' लिखे करीब 12 पोस्टर लगाए गए हैं। गंगा सभा की तरफ से ये पोस्टर घाट किनारे अलग-अलग जगहों पर लगाए गए हैं, जिसके बाद गैर-हिंदुओं की एंट्री को लेकर विवाद फिर से तेज हो गया है। घाटों की व्यवस्थाएं देखने वाली संस्था गंगा सभा ने इस मुद्दे पर खुलकर अपना रुख सामने रखा है। संस्था का कहना है कि हरकी पैड़ी और ब्रह्म कुंड क्षेत्र सनातन आस्था का प्रमुख केंद्र है, इसलिए यहां पवित्रता और व्यवस्थाओं को बनाए रखना जरूरी है। इस मामले पर दैनिक भास्कर एप ने गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम से बात की। उन्होंने कहा कि यह कोई नई पहल नहीं है, बल्कि 1916 के म्यूनिसिपल एक्ट/बायलॉज की जानकारी सार्वजनिक की गई है, ताकि किस क्षेत्र में क्या नियम लागू हैं, इसे लेकर किसी तरह का भ्रम ना रहे। कानून की जानकारी सार्वजनिक करना जरूरी- गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने कहा कि किस क्षेत्र में क्या कानून लागू हैं, यह जानकारी सभी को होनी चाहिए। इसी उद्देश्य से हरकी पैड़ी क्षेत्र में पोस्टर लगाए गए हैं।

ममता बनर्जी ने सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर का शिलान्यास किया

एजेंसी, कोलकाता

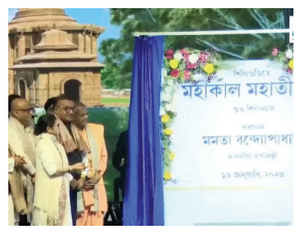

- साधु संत भी कार्यक्रम में हुए शामिल, पिछले महीने दुर्गा मंदिर की नींव रखी थी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर का शिलान्यास किया। करीब 18 एकड़ जमीन पर तैयार हो रहा यह मंदिर उज्जैन के श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के नाम से ही जाना जाएगा। कार्यक्रम में साधु-संत भी शामिल हुए। बीते 30 दिसंबर को कोलकाता के न्यू टाउन में ममता बनर्जी ने दुर्गा आंगन नाम के एक बड़े दुर्गा मंदिर की नींव रखी थी। इस दौरान उन्होंने भाषण में इस मंदिर का जिक्र करते हुए कहा था कि मंदिर के निर्माण के लिए जरूरी धनराशि जुटा ली गई है। मंदिर के निर्माण से सिलीगुड़ी में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, इस कार्यक्रम को लेकर उत्तर बंगाल की राजनीति गरमा गई है। गुरुवार को दार्जिलिंग के सांसद और भाजपा के केंद्रीय प्रवक्ता राजू बिष्ट ने सिलीगुड़ी में पत्रकार वार्ता कर कहा कि मंदिर का निर्माण ट्रस्टी बोर्ड के माध्यम से होने की बात कही जा रही है, लेकिन पूरा आयोजन सरकारी बैनर तले हो रहा है।

भारतीय न्याय,सांस्कृतिक नैतिकता और विधवा बहू का अधिकार-मनुस्मृति से संविधान तक एक समावेशी न्यायिक यात्रा क़ा समग्र विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» भारतीय पारिवारिक कानून की आत्मा केवल विधिक प्रावधानों तक सीमित नहीं है,बल्कि उसमें सामाजिक नैतिकता की गहरी छाप है

» भारतीय न्याय प्रणाली में मनुस्मृति जैसे ग्रंथ नैतिक संदर्भ प्रदान करते हैं व संविधान उस नैतिकता को कानूनी अधिकारों में परिवर्तित करता है,यही भारतीय न्याय की वह विशिष्ट पहचान है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर भारत केवल एक भौगोलिक राष्ट्र नहीं, बल्कि एक जीवित सभ्यता है,जिसकी चेतना में धर्म नैतिकता, आस्था, परंपरा और न्याय एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।भारतीय समाज में बड़े- बुजुर्गों की सीख,शास्त्रों में वर्णित जीवन-मूल्य और लोक-स्मृति में बसे संस्कार केवल निजी आचरण तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने सदियों तक सामाजिक और विधिक व्यवस्था को भी दिशा दी है। यही कारण है कि भारत जैसे विशाल आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राष्ट्र में शास्त्रों, पुराणों और स्मृतियों में कही गई बातों का उल्लेख साधारण व्यक्ति से लेकर देश की सर्वोच्च अदालत तक में उदाहरण स्वरूप किया जाता रहा है। यह तथ्य अपने आप में भारतीय न्याय प्रणाली की विशिष्टता को रेखांकित करता है, जहाँ आधुनिक संवैधानिक ढांचे के भीतर भी सांस्कृतिक नैतिकता को पूरी तरह नकारा नहीं जाता, बल्कि उसे न्याय की संवेदनशील व्याख्या का माध्यम बनाया जाता है।13 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए एक महत्वपूर्ण निर्णय ने इसी भारतीय न्यायिक परंपरा को एक बार फिर वैश्विक मंच पर स्थापित किया। यह फैसला केवल एक विधवा बहू के भरण-पोषण के अधिकार से जुड़ा मामला नहीं था, बल्कि यह उस गहरे दर्शन को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें कानून, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व एक-दूसरे के पूरक बनकर सामने आते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि अदालत द्वारा मनुस्मृति जैसे प्राचीन ग्रंथ का संदर्भ लेना यह स्पष्ट करता है कि भारतीय न्याय प्रणाली आधुनिकता और परंपरा के बीच टकराव नहीं,बल्कि संवाद में विश्वास करती है।इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मनुस्मृति के उस श्लोक का उल्लेख किया जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि माता, पिता, पत्नी और पुत्र को कभी नहीं त्यागना चाहिए, और जो व्यक्ति ऐसा करता है,उसे दंडित किया जाना चाहिए।यह श्लोक केवल धार्मिक उपदेश नहीं है, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का एक मूलभूत सिद्धांत प्रस्तुत करता है। अदालत ने इस श्लोक को केवल सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में नहीं,बल्कि नैतिक आधार के रूप में उद्धृत किया, ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि भरण-पोषण का दायित्व भारतीय समाज में केवल कानूनी नहीं, बल्कि नैतिक और मानवीय भी है।सुप्रीम कोर्ट की तीन माननीय जजों की पीठ ने यह रेखांकित किया कि किसी मृत व्यक्ति की संपत्ति केवल उत्तराधिकारियों की निजी संपत्ति नहीं होती, बल्कि उस पर उन सभी निर्भर व्यक्तियों का नैतिक और कानूनी अधिकार होता है, जिनकी देखभाल मृतक के जीवनकाल में उसकी जिम्मेदारी थी। यह दृष्टिकोण भारतीय पारिवारिक संरचना की उस अवधारणा को मजबूत करता है, जिसमें परिवार को केवल रक्त-संबंधों का समूह नहीं, बल्कि परस्पर उत्तरदायित्वों की इकाई माना गया है। साथियों बात अगर हम 13 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट के तीन माननीय न्यायमूर्तियों की पीठ ने दिए गए निर्णय की करें तो,इस मामले का मूल विवाद अत्यंत तकनीकी प्रतीत हो सकता है,लेकिन इसके निहितार्थ अत्यंत व्यापक हैं। प्रश्न यह था कि यदि किसी विवाहित महिला के पति की मृत्यु उसके ससुर के जीवनकाल में हो जाती है, तो उसे भरण- पोषण का अधिकार मिलता है, लेकिन यदि पति की मृत्यु ससुर की मृत्यु के बाद होती है, तो क्या वह इस अधिकार से वंचित हो जाएगी?याचिकाकर्ता की ओर से यह तर्क दिया गया कि ससुर की मृत्यु के बाद विधवा बहू का उनके परिवार की संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं बचता। यह तर्क भारतीय समाज की उस संकीर्ण व्याख्या को दर्शाता है,जिसमें रिश्तों को केवल जीवनकाल की घटनाओं से जोड़कर देखा जाता है, न कि उनके नैतिक दायित्वों से।सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि पति की मृत्यु के समय के आधार पर विधवा बहुओं के बीच भेदभाव करना न केवल तर्कहीन है,बल्कि यह संवैधानिक समानता के सिद्धांत के भी विरुद्ध है।अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसी किसी भी व्याख्या का कोई संवैधानिक या तार्किक आधार नहीं हो सकता, जो समान परिस्थितियों में मौजूद महिलाओं के बीच भेदभाव उत्पन्न करे। यह टिप्पणी भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 में निहित समानता के अधिकार की एक सशक्त पुनर्पुष्टि है। साथियों बात अगर हम अदालत ने अपने निर्णय में हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण-पोषण अधिनियम 1956 की धारा 22 का विशेष उल्लेख किया, इसको समझने की करें तो यह धारा स्पष्ट रूप से कहती है कि मृतक हिंदू की संपत्ति से उसके सभी उत्तराधिकारियों पर यह दायित्व बनता है कि वे उसके निर्भर व्यक्तियों का भरण-पोषण करें। सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रावधान की व्याख्या करते हुए कहा कि विधवा बहू भी निर्भर व्यक्तियों की श्रेणी में आती है, बशर्ते वह स्वयं या मृत पति द्वारा छोड़ी गई संपत्ति से अपना निर्वाह करने में असमर्थ हो।यह निर्णय इस मायने में भी ऐतिहासिक है कि इसमें अदालत ने कानूनी दायित्व और नैतिक दायित्व के बीच कृत्रिम विभाजन को अस्वीकार किया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि भारतीय पारिवारिक कानून की आत्मा केवल विधिक प्रावधानों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसमें सामाजिक नैतिकता की गहरी छाप है। जब कानून नैतिकता से कट जाता है, तब वह केवल नियमों का संकलन बनकर रह जाता है, लेकिन जब वह नैतिक मूल्यों से जुड़ता है, तब वह न्याय का माध्यम बनता है।मनुस्मृति के श्लोक का उल्लेख करते हुए अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि प्राचीन ग्रंथों का संदर्भ लेना किसी धर्मनिरपेक्ष राज्य के सिद्धांत के विरुद्ध नहीं है, जब तक कि उसका उपयोग सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांतों को समझाने के लिए किया जा रहा हो। यह दृष्टिकोण अंतरराष्ट्रीय न्यायिक विमर्श में भी महत्वपूर्ण है, जहाँ सांस्कृतिक विविधता और स्थानीय नैतिकता को न्यायिक निर्णयों में स्थान देने की आवश्यकता पर लगातार चर्चा होती रही है। साथियों बात अगर हम इस निर्णय कोवैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखनें की करें तो यह फैसला केवल भारत तक सीमित नहीं है। दुनियाँ भर में पारिवारिक कानूनों में यह प्रश्न उठता रहा है कि क्या विधवा महिलाओं को केवल उनके पति की संपत्ति तक सीमित रखा जाए, या उन्हें परिवार की सामूहिक संपत्ति से भी संरक्षण दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय उन सभी समाजों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करता है, जो पारंपरिक पारिवारिक संरचनाओं और आधुनिक मानवाधिकारों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।यह फैसला विशेष रूप से पितृसत्तात्मक समाजों के लिए एक स्पष्ट संदेश देता है कि महिलाओं के अधिकार किसी पुरुष रिश्तेदार के जीवनकाल या मृत्यु की तकनीकी घटनाओं पर निर्भर नहीं हो सकते। साथियों बात अगर हम विधवा बहू को परिवार से बाहर मानने की मानसिकता को समझने की करें तो अदालत ने स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर दिया। यह निर्णय भारतीय समाज में विधवाओं के प्रति लंबे समय से चली आ रही उपेक्षा और असुरक्षा की भावना को चुनौती देता है अदालत ने यह भी कहा कि पुत्र की मृत्यु के बाद पिता की यह धार्मिक और नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह अपनी बहू का भरण-पोषण करे, यदि वह स्वयं अपने निर्वाह में असमर्थ है।यह टिप्पणी भारतीय परिवार की उस अवधारणा को पुनर्जीवित करती है, जिसमें बुजुर्ग केवल अधिकारों के धारक नहीं, बल्कि उत्तरदायित्वों के संरक्षक भी होते हैं।यह दृष्टिकोण बुजुर्गों के सम्मान औरसामाजिक सुरक्षा को भी एक नया अर्थ देता है।इस निर्णय का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह न्यायिक सक्रियता और संवेदनशीलता का उदाहरण प्रस्तुत करता है।अदालत ने कानून की संकीर्ण व्याख्या करने के बजाय उसके उद्देश्य और आत्मा को समझने का प्रयास किया। यह वही दृष्टिकोण है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरपज़िव इंटरप्रिटेशन के रूप में जाना जाता है, और जिसे आधुनिक न्यायशास्त्र का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत माना जाता है। साथियों बात अगर हम भारतीय संविधान और प्राचीन भारतीय ग्रंथों के बीच की स्थिति को समझने की करें तो यह संवाद यह दर्शाता है कि दोनों एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। संविधान ने जिन मूल्यों,समानता, गरिमा और सामाजिक न्याय को स्थापित किया है,उनके बीजभारतीय सांस्कृतिक परंपरा में पहले से मौजूद रहे हैं।सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला इस ऐतिहासिक निरंतरता को रेखांकित करता है। अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि यह निर्णय केवल एक विधवा बहू के अधिकारों की रक्षा नहीं करता,बल्कि यह भारतीय समाज को यह याद दिलाता है कि न्याय केवल अदालतों में नहीं, बल्कि परिवारों और समाज में भी स्थापित होना चाहिए।जब कानून परिवार की सबसे कमजोर कड़ी को संरक्षण देता है तब वह केवल कानूनी दस्तावेज नहीं,बल्कि सामाजिक परिवर्तन का उपकरण बन जाता है।इस फैसले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय न्याय प्रणाली न तो अंधी परंपरा की गुलाम है, और न ही सांस्कृतिक जड़ों से कटे हुए आधुनिकतावाद की। वह दोनों के बीच एक संतुलित मार्ग अपनाती है,जहाँ मनुस्मृति जैसे ग्रंथ नैतिक संदर्भ प्रदान करते हैं,और संविधान उस नैतिकता को कानूनी अधिकारों मेंपरिवर्तित करता है। यही भारतीय न्याय की वह विशिष्ट पहचान है, जो उसे वैश्विक मंच पर अलग स्थान प्रदान करती है।

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक
चिंतक कवि संगीत माध्यमा
सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन
सनमुखदास भावनानीं गोंदिया
महाराष्ट्र 9284141425

विश्व पुस्तक मेला : शब्दों का महाकुंभ ज्ञान, शौर्य और संस्कृति का शाश्वत उत्सव

लेखक- योगेश कुमार गोयल

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 10 से 18 जनवरी तक आयोजित हो रहा 53वां नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया तेजी से डिजिटल स्क्रीन पर सिमटती जा रही है और पढ़ने की आदत को लेकर लगातार चिंता व्यक्त की जाती रही है। ऐसे में यह आयोजन न केवल किताबों का बाजार है बल्कि यह उम्मीद का वह दीप भी है, जो बताता है कि शब्दों की रोशनी अब भी मनुष्यता का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय पुस्तक न्यास और भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन के सहयोग से आयोजित यह नौ दिवसीय मेला इस वर्ष कई मायनों में ऐतिहासिक है। पहली बार इसकी एंट्री पूरी तरह मुफ्त रखी गई है, जिससे ज्ञान तक पहुंच को सचमुच लोकतांत्रिक बनाया गया है। यह कदम केवल प्रतीकात्मक नहीं बल्कि उस सोच का विस्तार है, जिसमें किताबों को किसी विशेष वर्ग की वस्तु नहीं बल्कि समाज की साझा धरोहर माना गया है। जब किसी मेले में प्रवेश के लिए जेब नहीं, केवल जिज्ञासा की जरूरत हो तो वहां ज्ञान अपने आप ही जनांदोलन का रूप ले लेता है। इस वर्ष पुस्तक मेले की थीम 'भारतीय सैन्य इतिहासः शौर्य और ज्ञान @75' अपने आप में गहरी अर्थवत्ता समेटे हुए है। आजादी के 75 वर्षों की यात्रा में भारत ने केवल सीमाओं की रक्षा ही नहीं की बल्कि रणनीतिक बुद्धिमत्ता, वैज्ञानिक प्रगति और मानवीय मूल्यों के साथ सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाया है। हॉल नंबर 5 में बना थीम पवेलियन एक जीवंत इतिहास बनकर सामने आता है, जहां अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस की प्रतिकृतियां केवल तकनीकी उपलब्धियां नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत की कहानी कहती हैं। 21 परमवीर चक्र विजेताओं को समर्पित श्रद्धांजलि स्थल यह याद दिलाता है कि स्वतंत्रता और सुरक्षा केवल शब्द नहीं बल्कि अनगिनत बलिदानों का परिणाम हैं। यहां प्रदर्शित 500 से अधिक पुस्तकें और 100 से अधिक थीम आधारित कार्यक्रम सैन्य इतिहास को केवल युद्धों की कथा नहीं, नीति, विज्ञान और राष्ट्र निर्माण के व्यापक संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं। मेले का उद्घाटन करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पुस्तकों को पीढ़ियों को जोड़ने वाला सेतु बताया। पुस्तकें सभ्यताओं की स्मृतियों को संजोती हैं और समाज को दिशा देती हैं। डिजिटल युग में ज्ञान को सुलभ और समावेशी बनाने की सरकार की प्राथमिकता इस मेले में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय के माध्यम से 23 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध 6000 से ज्यादा मुफ्त ई-बुक्स और टेक्स्ट-टू-स्पीच जैसी सुविधाएं यह साबित करती हैं कि तकनीक और पुस्तकें एक-दूसरे की विरोधी नहीं बल्कि पूरक हो सकती हैं। यह मेला इस बहस को भी विराम देता है कि डिजिटल माध्यम छपी हुई किताबों का स्थान ले लेंगे। यहां दोनों एक साथ, एक-दूसरे को मजबूत करते दिखाई देते हैं। विश्व पुस्तक मेले की सबसे सुंदर तस्वीर शायद वह है, जहां जेन-जी के युवा, जिन्हें अक्सर 'स्क्रीन की पीढ़ी' कहकर किताबों से दूर मान लिया जाता है, कागज के पन्नों में डूबे नजर आते हैं। पिक्सल्स के शोर से निकलकर वे शब्दों की गहराई को टटोलते हैं, अपनी पसंदीदा किताबें ढूंढ़ते हैं और बताते हैं कि तकनीक चाहे जितनी आगे बढ़ जाए, सुकून आज भी किताबों में बंद ज्ञान से ही मिलता है। कतर पवेलियन में हिंदी और उर्दू के तैरते अक्षरों को देखकर तकनीक में निपुण युवा भी ठहर जाते हैं। वे लुप्त होते पारंपरिक खेलों, गायब होते पक्षियों और सांस्कृतिक स्मृतियों की किताबों में खुद को खोजते हैं। यह दृश्य इस बात का प्रमाण है कि युवा पीढ़ी को किताबों से दूरी नहीं बल्कि सही मंच और माहौल की जरूरत है। इस वर्ष मेले की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति भी उल्लेखनीय है। 35 से अधिक देशों के 1000 से ज्यादा प्रकाशक, 1000 से अधिक लेखक और वक्ता तथा 600 से ज्यादा साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम इसे सचमुच वैश्विक उत्सव बनाते हैं। कतर का गेस्ट ऑफ ऑनर और स्पेन का फोकस कंट्री होना भारत के सांस्कृतिक कूटनीति के विस्तार को दर्शाता है। स्पेन-भारत ड्यूल ईयर 2026 के तहत दोनों देशों के लेखकों और साहित्य को मिला मंच यह बताता है कि किताबें केवल पढ़ने की वस्तु नहीं बल्कि देशों के बीच संवाद का माध्यम भी हैं। पुस्तक मेले की सांस्कृतिक आभा इसे और जीवंत बनाती है। एम्फीथिएटर में हर शाम संगीत, कविता पाठ और नाट्य प्रस्तुतियां आयोजित हो रही हैं।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ,रातों की दूरी मिटाती,नए भारत की नई रफ्तार रेल यात्रियो के लिए आराम दायक यात्रा,अध्यात्म का आनंद - आर्थिक विकाश की बहार है , जहाँ यात्रा ना केवल अपने गंतव्य पर समय पर पहुंचे

» ब्लकि वें यात्रा के लिए दौरान स्थानीय खाना-पान व पकवान व स्थानीय सम्भयता व संस्कृति की झलक से रूह - बरुह होगे

विनोद कुमार सिंह,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार

भारतीय रेल का इतिहास केवल पटरियों और इंजनों का नहीं,बल्कि यह भारत की सामाजिक चेतना, आर्थिक गतिशीलता और राष्ट्रीय एकता की वह जीवंत गाथा है, जिसमें समय-समय पर राष्ट्रवाद की धड़कन सुनाई देती रही है।आज़ादी के बाद भारतीय रेल ने देश के दूर-दराज़ इलाकों को जोड़ा,लोगों को रोज़गार,शिक्षा,व्यापार और आस्था की यात्राओं से जोड़े रखा। किंतु इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में प्रवेश करते हुए रेल व्यवस्था केवल परिवहन का साधन नहीं रह गई है,वह अब विकास का इंजन बन चुकी है।इसी परिवर्तन कारी यात्रा की अगली महत्त्वपूर्ण कड़ी है " वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ", जिसका संभावित उद्घाटन स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जाना है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन केवल एक नई रेल सेवा नहीं है,बल्कि यह भारत में रात्रीकालीन लंबी दूरी की यात्रा की पूरी अवधारणा को पुनर्परिभाषित करने वाला राष्ट्रीय परियोजना की परिकल्पना है।यह उस भारत की आकांक्षा का प्रतीक है,जो गति भी है,सुरक्षित भी है,आरामदेह भी है और आत्मनिर्भर भी है।यह उस सोच का विस्तार है जिसमें विकास केवल दिन की रोशनी तक सीमित नहीं रहता,बल्कि रात की शांति में भी निरंतर आगे बढ़ता है।सर्वविदित रहे कि वर्ष 2019 में जब पहली वंदे भारत एक्सप्रेस राष्ट्र को समर्पित की गई थी,तब वह केवल एक आधुनिक ट्रेन नहीं थी,बल्कि यह संकेत था कि भारत अब आयातित तकनीक का उपभोक्ता नहीं रहेगा।वंदे भारत एक्सप्रेस पूरी तरह मेक-इन-इंडिया पहल का परिणाम थी—डिज़ाइन से लेकर निर्माण तक।उसी स्वदेशी सोच का स्वाभाविक विस्तार अब वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के रूप में सामने आ रहा है।जहाँ वंदे भारत एक्सप्रेस ने दिन की तेज़ यात्रा को नया आयाम दिया,वहीं वंदे भारत स्लीपर का लक्ष्य है।भारत की लंबी दूरी की रात्री यात्राओं को गति, सुविधा और भरोसे के साथ जोड़ना। इस ट्रेन की मूल अवधारणा स्पष्ट है। जहाँ लगभग आठ सौ से बारह सौ किलोमीटर की दूरी को एक ही रात में तय करना।यह कोई साधारण लक्ष्य नहीं है।भारत जैसे विशाल देश में यह दूरी अक्सर हवाई यात्रा और रेल यात्रा के बीच चयन की दुविधा पैदा करती है।वंदे भारत स्लीपर इसी दुविधा को समाप्त करने की दिशा में एक ठोस कदम है।यह ट्रेन उन यात्रियों के लिए एक किफायती और भरोसेमंद विकल्प प्रस्तुत करती है, जो समय की कमी के कारण मजबूरी में महँगी हवाई यात्रा करते हैं।रात में ट्रेन में सवार होकर सुबह गंतव्य तक पहुँचना,बिना अतिरिक्त खर्च और बिना हवाई अड्डों की जटिलताओं के—यह सुविधा मध्यम वर्ग,नौकरीपेशा और तीर्थयात्रियों सभी के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यदि इस परिप्रेक्ष्य में 17 जनवरी की उस यात्रा की कल्पना की जाए,जब एक श्रद्धालु पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से प्रस्थान करता है,तो यह यात्रा केवल भौगोलिक नहीं रह जाती। कोलकाता का प्राचीन कालीघाट मंदिर,जहाँ माँ काली की शक्ति और करुणा में सदियों से लोकआस्था बहती रही है,वहाँ दर्शन के बाद रात में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में बैठा यात्री केवल स्टेशन नहीं छोड़ता,वह अपने भीतर श्रद्धा और विश्वास का संबल लेकर आगे बढ़ता है ट्रेन रात के अंधेरे को चीरते हुए आगे बढ़ती है और यह यात्रा धीरे-धीरे एक आध्यात्मिक अनुभव में बदल जाती है। रेल यात्रियो के लिए आराम दायक यात्रा,अध्यात्म का आनंद-आर्थिक विकाश की बहार है,जहाँ यात्रा ना केवल अपने गंतव्य पर समय पर पहुंचे,ब्लकि वें यात्रा के लिए दौरान स्थानीय खाना-पान व पकवान व स्थानीय सम्भयता व संस्कृति की झलक से रूह - बरुह होगे । तकनीकी दृष्टि से वंदे भारत स्लीपर ट्रेन भारतीय रेल के इतिहास में एक निर्णायक छलांग है।यह सेमी-हाई स्पीड श्रेणी की ट्रेन होगी,जिसकी व्यावसायिक गति लगभग एक सौ साठ किलोमीटर प्रति घंटा तक रखी गई है।पूरी तरह इलेक्ट्रिक और वितरित पावर प्रणाली पर आधारित यह ट्रेन न केवल तेज़ है,बल्कि ऊर्जा दक्ष भी है।इसका निर्माण भारतीय इंजीनियरिंग क्षमता का प्रमाण है, जिसमें नब्बे प्रतिशत से अधिक सामग्री स्वदेशी है।यह आत्मनिर्भर भारत की उस सोच को साकार करती है,जिसमें तकनीक केवल गति नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का माध्यम बनती है।रात के सफर में सुरक्षा सबसे बड़ा प्रश्न रहा है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन इसी चिंता का उत्तर है। स्वदेशी कवच टक्कर-रोधी प्रणाली,आधुनिक ब्रेकिंग सिस्टम, अग्नि सुरक्षा तकनीक और सीसीटीवी निगरानी इसे पारंपरिक रात्री ट्रेनों से अलग पहचान देती है। यह भरोसा देती है कि आधुनिक भारत में रात की यात्रा भी उतनी ही सुरक्षित और सम्मानजनक हो सकती है,जितनी दिन की। आराम और यात्री अनुभव के स्तर पर यह ट्रेन स्लीपर यात्रा की परिभाषा बदल देती है।कंपन रहित कोच,बेहतर सस्पेंशन,नियंत्रित तापमान,होटल-स्तरीय बेडिंग और स्वच्छ,स्पर्श-रहित शौचालय यात्रियों को मानसिक और शारीरिक विश्राम का अनुभव कराते हैं।कोलकाता से गुवाहाटी की यह रात्री यात्रा अब केवल दूरी तय करने का साधन नहीं रहती,बल्कि आत्मिक शांति का माध्यम बन जाती है।सुबह जब ट्रेन गुवाहाटी पहुँचती है,तो माँ कामाख्या देवी के दिव्य दर्शन के लिए बढ़ते कदमों में थकान नहीं,बल्कि ऊर्जा और श्रद्धा होती है।आर्थिक दृष्टि से भी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन भारतीय रेल के लिए दूरदर्शी निवेश है।यह हवाई यात्रा का किफायती विकल्प बनकर न केवल यात्रियों के खर्च को कम करती है, बल्कि पर्यावरण पर पड़ने वाले बोझ को भी घटाती है।कम कार्बन उत्सर्जन और ऊर्जा दक्ष संचालन इसे हरित परिवहन की दिशा में एक मजबूत कदम बनाते हैं।इस परियोजना का सामाजिक प्रभाव भी व्यापक है।यह ट्रेन केवल कोलकाता और गुवाहाटी जैसी राजधानियों को नहीं जोड़ती, बल्कि उनके बीच बसे उन क्षेत्रों को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ती है, जिनकी उपेक्षा अब तक रात्री रेल सेवाओं में होती रही है।यह बंगाल और असम की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक चेतना को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करती है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के संभावित उद्घाटन का प्रतीकात्मक अर्थ भी गहरा है।यह उस राजनीतिक इच्छाशक्ति का संकेत है,जो बुनियादी ढाँचे को केवल आँकड़ों की उपलब्धि नहीं,बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास का आधार मानती है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में भारतीय रेल जिस निरंतरता से सुरक्षा,तकनीक और सेवा गुणवत्ता में सुधार कर रही है, वंदे भारत स्लीपर उसी यात्रा की अगली स्वाभाविक कड़ी है।अंततः वंदे भारत स्लीपर ट्रेन इस सदी के भारत की वह घोषणा है, जिसमें कहा जा सकता है कि विकास अब दिन तक सीमित नहीं रहा। जब जल्द ही किसी शांत रात को कोलकाता से चली ट्रेन सुबह गुवाहाटी पहुँचती है और यात्री अपने आराध्य माँ कामाख्या देवी के दिव्य दर्शन के लिए श्रद्धा से आगे बढ़ता है,तब यह स्पष्ट हो जाता है कि यह केवल एक यात्रा नहीं थी। यह आधुनिकता, आस्था और राष्ट्रनिर्माण की साझा यात्रा थी।जब देश की रातें भी तेज़,सुरक्षित और सम्मानजनक यात्रा से भर जाएँ,तब समझना चाहिए कि परिवर्तन केवल पटरियों पर नहीं, बल्कि नई सोच और मानवीय संवेदना में भी उतर चुका है।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना मे सरकारी खजाने से 10000 करोड़ की लूट

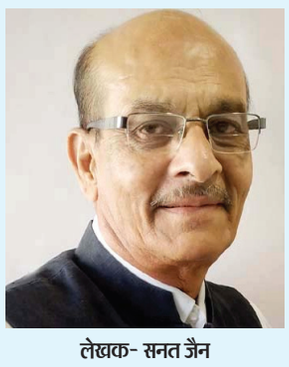

लेखक- सनत जैन

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) को देश के युवाओं को रोजगारोन्मुखी बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना में 10,000 करोड़ की लूट हो गई है? नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में सामने आई जानकारी के अनुसार इस योजना की जमीनी हकीकत पर गंभीर सवाल खड़े हो गये हैं। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 33,000 युवाओं की फर्जी ट्रेनिंग दिखाकर करीब 10,000 करोड़ रुपये की लूट सरकारी खजाने से हुई है। केग की रिपोर्ट के अनुसार यह गड़बड़ी केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि एक संगठित घोटाले और लूट की ओर इशारा करती है। कैग की रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है, कि एक ही फोटो में सैकड़ों लोगों को ट्रेनिंग लेते हुए दिखाया गया है। प्रशिक्षण केंद्रों ने एक ही तस्वीर अलग-अलग बैचों और अलग-अलग तारीखों मे लाभार्थियों के नाम पर अपलोड कर करोड़ों रुपए का भुगतान लिया है। इसका अर्थ साफ है ट्रेनिंग हुई नहीं, सिर्फ काग़ज़ों और पोर्टल पर 'कौशल निर्माण' का प्रशिक्षण देकर सुनियोजित साजिश के तहत लूट की गई है। रिपोर्ट में जो गंभीर तथ्य हैं, कैग ने जिन मामलों में लाभार्थियों के बैंक खातों का पता लगाने की कोशिश की, उनके बैंक खाते ही कैग पता नहीं लगा पाई। बैंक अकाउंट के नंबर भी सही नहीं थे। ऐसी स्थिति में लाभार्थियों के खाते में किस तरह से राशि ट्रांसफर हुई है, इसका पता केग नहीं लगा पाई। सरकारी खजाने की राशि एक तरह से किसी एक ऐसे खाते में ट्रांसफर की गई है जिसका उल्लेख केग को कहीं नहीं मिला। जिन युवाओं को प्रशिक्षित दिखाया गया, उनके अस्तित्व, पहचान और भुगतान तीनों पर कैग ने गड़बड़ी का संदेह जताया है। सवाल उठता है, जब आधार, बैंक खाता और डिजिटल ट्रैकिंग जैसी सुविधायें मौजूद थीं. उसके बाद भी फर्जीवाड़ा फलता-फूलता रहा? इससे स्पष्ट है, निगरानी तंत्र या तो अक्षम था, या जानबूझकर आंखें मूंदकर इस लूट में शामिल था। इस कथित घोटाले की जिम्मेदारी प्रशिक्षण प्रदाताओं तक सीमित नहीं की जा सकती है। मंत्रालय, सेक्टर स्किल काउंसिल, थर्ड पार्टी असेसमेंट एजेंसियां और भुगतान प्रणाली इत्यादि सबकी भूमिका की निष्पक्ष ओर गहन जांच जरूरी है। इस तरह की लूट में तो अपराधिक कार्यवाही की जानी चाहिए थी। कैग जैसी संवैधानिक संस्था बैंक खातों और वास्तविक लाभार्थियों तक नही पहुंच पाई। इसका मतलब है कि सुनयोजित लूट की गई है। यह शासन प्रणाली की पारदर्शिता और प्रक्रिया पर सवाल उठाती है। क्या किसी भी योजना में इतनी बड़े पैमाने पर लूट हो सकती है? पीएमकेवीवाई जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को हुनर देकर आत्मनिर्भर बनाना था। यदि वही योजना सरकारी खजाने से लूट का साधन बन जाए| बिचौलियों और फर्जी संस्थानों के माध्यम से सरकारी खजाने से लूट की जाए। कैग के इस खुलासे से उन लाखों युवाओं के साथ भी अन्याय हुआ है, जो वास्तव में कौशल प्रशिक्षण की प्रतीक्षा में बैठे हैं। जो जानकारी निकलकर सामने आ रही है उसके अनुसार 33,000 युवाओं को प्रशिक्षण देने के नाम पर जिस कंपनी को ठेका दिया गया था वह कंपनी रजिस्टर के ठेका की अवधि के 6 साल पहले से बंद थी। बंद कंपनी को ठेका दिया गया। बिना प्रशिक्षण दिए ही 10,000 करोड रुपए की लूट की गई। इसमें बड़े-बड़े लोगों के शामिल होने की संभावना है। इसका मनी ट्रैल भी जांच एजेंसी पता करना चाहेगी तो उसे पलक झपकते ही इसकी जानकारी मिल जाएगी। इस स्थिति को देखते हुए लूट और घोटाले की जाँच सीबीआई/ईडी जैसी स्वतंत्र एजेंसियों से कराकर, दोषियों पर कठोर कार्यवाही की जाए। केग की इस रिपोर्ट को आधार बनाकर सरकारी योजनाओं की री-डिज़ाइन हो। सरकारी योजनाओं के जमीनी एवं वास्तविक सत्यापन, रियल-टाइम ऑडिट, और लाभार्थी-केंद्रित भुगतान अनिवार्य हो। अन्यथा 'स्किल इंडिया' केवल नारा बनकर रह जाएगा। इसी तरह सरकारी खजाने से योजनाएं तो चलती रहेंगी, इसका वास्तविक लाभ हितग्राहियों को नहीं मिलेगा। 'काग़ज़ी ट्रेनिंग' का यह सच दिल दहलाने वाला है। जहां पर योजना की शत-प्रतिशत राशि सरकारी खजाने से लूट ली गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार कह चुके हैं, जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे, तब उस समय केंद्र से 1 रुपये चलता था, बीच रास्ते में पचासी पैसे गायब हो जाते थे। दुर्भाग्य का विषय है, अब कैग की रिपोर्ट के बाद खजाने से 100 रुपये निकले, वह रास्ते में नहीं मंत्रालय में ही कागजों में लूट लिए गए। यह नया मुहावरा जल्द ही सुनने को मिल सकता है।

फॉर्मूला 1

रेड बुल ने सीजन 2026 के लिए पेश की अपनी नई लिवरी

नई दिल्ली, एजेंसी। रेड बुल रेसिंग ने फॉर्मूला 1 2026 सीजन के लिए अपनी नई कार की लिवरी का खुलासा किया है। यह कार्यक्रम मिशिगन सेंट्रल स्टेशन में आयोजित किया गया। मिल्टन कीन्स स्थित इस टीम ने डेट्रॉइट शहर में शानदार अंदाज में अपनी नई डिजाइन पेश की। डेट्रॉइट फ़ोर्ड का गृहनगर है और रेड बुल इसी कंपनी के साथ मिलकर अपना पहला फॉर्मूला वन पावर यूनिट तैयार कर रही है। रेड बुल के पायलट मार्टिन सोनका ने एक अनोखा कारनामा किया। उन्होंने हवाई जहाज से कार के ऊपर डली चादर को उड़ाकर हटाया और नई लिवरी को लोगों के सामने पेश किया। जब एनर्जी ड्रिंक बनाने वाली इस कंपनी ने साल 2005 में फॉर्मूला वन में कदम रखा था, तब कार पर चमकदार फिनिश का इस्तेमाल किया गया था। नई लिवरी उसी पुराने अंदाज की याद दिलाती है। टीम का कहना है कि आरबी22 की 2026 डिजाइन में इस्तेमाल किया गया 'हेरिटेज व्हाइट बेस' कार को ज़्यादा गहराई और साफ़ लुक देता है, जिससे 'सन एंड बुल' का मशहूर लोगो और भी उभरकर दिखता है। इस सीजन में इसैक हाज़ार चार बार के विश्व चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन के साथ टीम में शामिल होंगे। इसैक सिस्टर टीम रेसिंग बुल्स को छोड़ चुके हैं। रेड बुल ने आखिरी बार 2023 में टीम्स चैंपियनशिप जीती थी और अब टीम एक बार फिर विश्व खिताब जीतने की उम्मीद कर रही है।

बीबीएल

फिन एलन का तूफानी शतक, रेनेगेड्स पर जीत के साथ अगले दौर में स्कॉर्चर्स

मेलबर्न, एजेंसी। पर्थ स्कॉर्चर्स ने गुरुवार को बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025–26 के 36वें मुकाबले को अपने नाम किया। इस टीम ने डॉकलैंड्स स्टेडियम में आयोजित मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ 50 रन से शानदार जीत दर्ज की। इस लीग में पर्थ स्कॉर्चर्स से पहले होबार्ट हरिकेंस और मेलबर्न स्टार्स अगले दौर में जगह बना चुकी हैं, जबकि एडिलेड स्ट्राइकर्स, मेलबर्न रेनेगेड्स और सिडनी थंडर्स की टीमें खिताबी रेस से बाहर हैं। ऐसे में ब्रिस्बेन हीट और सिडनी सिक्सर्स के बीच अंतिम टिकट हासिल करने का मौका है। इस मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पर्थ स्कॉर्चर्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 219 रन बनाए।

इस टीम को मिशेल मार्श और फिन एलन की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 7.1 ओवरों में 64 रन जुटाए। मार्श 20 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद एलन ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 56 रन जुटाते हुए टीम को 120 के स्कोर तक पहुंचाया। कोनोली 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जहां से एलन ने आरोन हार्डी के साथ तीसरे विकेट के लिए 18 गेंदों में 44 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया।

खिलाड़ियों के बॉयकॉट के बाद बीसीबी ने उठाया बड़ा कदम

ढाका, एजेंसी। बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और क्रिकेट गतिविधियों के पूरी तरह से बॉयकॉट के बीच बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने डायरेक्टर एम नजमुल इस्लाम को बोर्ड की फाइनेंस कमेटी के चेयरमैन के पद से हटा दिया है। यह फैसला बांग्लादेश क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा देश में बांग्लादेश प्रीमियर लीग सहित सभी तरह के क्रिकेट को रोकने के बाद लिया गया है।

एक मीडिया रिलीज में बीसीबी ने कहा कि यह फैसला प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने 'हाल के घटनाक्रमों की समीक्षा के बाद और संगठन के सर्वोत्तम हित में' लिया है, और यह तुरंत प्रभावी होगा। द डेली स्टार के अनुसार बीसीबी ने कहा, 'यह फैसला बीसीबी संविधान के अनुच्छेद 31 के तहत बीसीबी प्रेसिडेंट को दी गई अथॉरिटी के अनुसार लिया गया है और इसका मकसद बोर्ड के मामलों के लगातार सुचारू और प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करना है।' अगले आदेश तक बुलबुल फाइनेंस कमेटी के कार्यवाहक चेयरमैन के रूप में काम करेंगे। यह कदम तब उठाया गया है जब गुरुवार को चटोग्राम रॉयल्स और नोआखली एक्सप्रेस के बीच बांग्लादेश प्रीमियर लीग का

डायरेक्टर नजमुल इस्लाम को हटाया

25वां मैच रद्द कर दिया गया क्योंकि खिलाड़ियों ने अपना बॉयकॉट जारी रखा और मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आने से इनकार कर दिया। मैच दोपहर 1:00 बजे शुरू होना था और टॉस 12:30 बजे होना था। नजमुल को हटाने के बाद बोर्ड ने खिलाड़ियों से बॉयकॉट खत्म करने और बीसीबी में लौटने का आग्रह किया। रिलीज में आगे कहा गया है, 'बोर्ड अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सभी खिलाड़ियों के सम्मान और गरिमा को बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस संबंध में बीसीबी को उम्मीद है कि सभी क्रिकेटर बांग्लादेश क्रिकेट की बेहतरी के लिए उच्चतम स्तर की व्यावसायिकता और समर्पण का प्रदर्शन जारी रखेंगे और बांग्लादेश प्रीमियर लीग में लगातार भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करेंगे।'

सूर्यकुमार यादव पर | विवादित बयान देने वाली अभिनेत्री बुरी फंसी

100 करोड़ का मानहानि का केस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम हाल ही में एक विवाद से जुड़ गया है, जिसने सोशल मीडिया और मनोरंजन जगत में हलचल मचा दी है। अभिनेत्री खुशी मुखर्जी के एक इंटरव्यू में दिए गए बयान के बाद सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने कड़ा रुख अपनाया है। अंसारी ने मुखर्जी के खिलाफ 100 करोड़ रुपए का मानहानि का मुकदमा दायर किया है, यह आरोप लगाते हुए कि उनके दावों से न सिर्फ सूर्यकुमार यादव की छवि को नुकसान पहुंचा है, बल्कि यह सब सिर्फ पब्लिसिटी के लिए किया गया।

क्या है पूरा मामला

यह विवाद 13 जनवरी को सामने आया, जब खुशी मुखर्जी ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि भारतीय क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव उन्हें लगातार मैसेज करते थे। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई। हालांकि मुखर्जी ने यह भी कहा था कि उनके और सूर्यकुमार यादव के बीच कभी कोई निजी या रोमांटिक संबंध नहीं रहा, लेकिन उनके बयान को लेकर सवाल उठने लगे।

फैजान अंसारी ने क्यों उठाया कानूनी कदम

मुंबई निवासी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने इस बयान को गंभीर मानते हुए कानूनी कार्रवाई का फैसला किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

अंसारी का कहना है कि मुखर्जी के आरोप बेबुनियाद हैं और इससे एक राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेटर की साख को ठेस पहुंची है। स्त्रद्धक्रदर्ज कराने के लिए अंसारी खुद मुंबई से गाजीपुर पहुंचे, जिससे उनके इरादों की गंभीरता साफ झलकती है।

'यह सिर्फ पब्लिसिटी स्टंट है' – अंसारी ने आरोप लगाया कि खुशी मुखर्जी ने जानबूझकर सूर्यकुमार यादव का नाम लिया ताकि उन्हें मीडिया कवरेज और सोशल मीडिया पर सुर्खियां मिल सकें।

100 करोड़ रुपए का मानहानि मुकदमा

पत्रकारों से बातचीत में फैजान अंसारी ने बताया कि उन्होंने 100 करोड़ रुपये का मानहानि का केस दायर करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि उनकी कानूनी टीम पूरी तरह तैयार है और इससे पहले भी इसी तरह का मुकदमा दायर किया जा चुका है। अंसारी ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं और वह इस मुद्दे को व्यापक स्तर तक ले जाने की जिम्मेदारी निभाएंगे।

इंडिया ओपन

केंटा निशिमोटो को हराकर क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य सेन, श्रीकांत और प्रणय बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया ओपन 2026 में गुरुवार को पूर्व चैंपियन लक्ष्य सेन ने अपने मजबूत डिफेंस और तेज खेल की बदौलत जापान के केंटा निशिमोटो को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय का शानदार प्रदर्शन गुरुवार को टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में जीत के लिए नाकाफी रहा। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में गुरुवार को लक्ष्य सेन ने केंटा निशिमोटो को 21-19, 21-11 से मात दी। दूसरी ओर, श्रीकांत फ्रांस के बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के विजेता क्रिस्टो पोपोव से 21-14, 17-21, 21-17 से हार गए। वहीं, प्रणय को सिंगापुर के आठवें वरीयता प्राप्त लोह कीन यू से 18-21, 21-19, 21-14 से हार का सामना करना पड़ा। केंटा निशिमोटो के खिलाफ पहले गेम के शुरुआती चरणों में सेन के लिए राह मुश्किल नजर आ रही थी। सेन पहले गेम में जापानी खिलाड़ी से 11-16 और फिर 14-18 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को लंबी रैलियों में उलझाए रखा और निशिमोटो के स्मैश को रोकने के लिए कुछ शानदार रक्षात्मक स्ट्रोक लगाते हुए वापसी की। उन्होंने लगातार पांच अंक जीतकर बढ़त बनाई और फिर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में सेन ने अपनी गति में बदलाव किया और जब भी मौका मिला, हमला किया। जैसे-जैसे उनका आत्मविश्वास बढ़ा, 24 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने हाफ स्मैश को चालाक ड्रॉप शॉट्स के साथ मिलाकर अपने प्रतिद्वंद्वी को भ्रमित रखते हुए 50 मिनट में जीत दर्ज की।

व्यापार

चीन के 5 फीसदी विकास लक्ष्य पर संकट, हाईटेक रणनीति से नहीं बन रही बात

रोजगार संकट और ऑटोमेशन का जोखिम, प्रॉपर्टी:अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की अर्थव्यवस्था को रियल एस्टेट संकट से बाहर निकालने के लिए एआई, रोबोटिक्स व इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे हाईटेक उद्योगों पर लगाया गया दांव नतीजे देने में सक्षम नहीं हो रहा है। अमेरिकी रिसर्च संस्था रॉडियम ग्रुप के मुताबिक, चीन को 5 फीसदी जीडीपी वृद्धि बनाए रखनी है, तो नए उद्योगों को हर साल निवेश वृद्धि को 2 पॉइंट ऊपर ले जाना होगा। यह मामूली हिस्सा नहीं, बल्कि निवेश वृद्धि दर में बड़ी बढ़ोतरी है, जो मौजूदा हालात में हासिल करना कठिन नजर आता है। 2023 से 2025 के बीच एआई, रोबोटिक्स और इलेक्ट्रिक कारों जैसे नए उद्योगों ने आर्थिक उत्पादन वृद्धि की रफ्तार को मिलाकर सिर्फ 0.8 पॉइंट ऊपर किया। रियल एस्टेट और अन्य पारंपरिक क्षेत्रों की कमजोरी ने आर्थिक वृद्धि को 6 पॉइंट नीचे खींच लिया। यह अंतर दिखाता है कि हाई-टेक सेक्टर भले ही बढ़ रहे हों, लेकिन वे अभी इतने बड़े और प्रभावशाली नहीं हैं कि प्रॉपर्टी और पारंपरिक उद्योगों में आई गिरावट से पैदा हुए दबाव की भरपाई कर सकें। हाल के वर्षों में बीजिंग ने लगातार करीब 5 फीसदी जीडीपी वृद्धि का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए इस साल ही 2.8 ट्रिलियन युआन के अतिरिक्त निवेश की जरूरत होगी। यह 2025 के मुकाबले 120 फीसदी अधिक है। एआई या रोबोटिक्स जैसे कुछ सेक्टरों में निवेश तेज हो सकता है, लेकिन उभरते उद्योगों के लिए इतनी तेज और टिकाऊ रफ्तार बनाए रखना मुश्किल होगा। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग सबसे तेज वृद्धि दर पहले ही देख चुका है व आने वाले वर्षों में रफ्तार धीमी पड़ सकती है। चीन के नए औद्योगिक सेक्टर कर्मचारियों को उच्च वेतन तो देते हैं, लेकिन वे पारंपरिक उद्योगों की तुलना में काफी कम रोजगार देते हैं। फैक्टरी ऑटोमेशन में वृद्धि और वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग में चीन के पहले से मौजूद 30 फीसदी हिस्से के चलते एक दशक में 10 करोड़ तक नौकरियां खत्म होने का खतरा है। पिछले साल चीन की शहरी बेरोजगारी दर अधिकांश समय 5 प्रतिशत से ऊपर रही। युवाओं में बेरोजगारी इससे लगभग तीन गुना अधिक दर्ज की गई। सरकार हाई-टेक विकास को प्राथमिकता दे रही है लेकिन रियल एस्टेट संकट से निपटने के लिए सीमित कदम उठाए हैं।

विजय केडिया के दांव लगाते ही रॉकेट बना स्मॉलकैप शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज निवेशक विजय केडिया के दांव लगाते ही स्मॉलकैप कंपनी पटेल इंजीनियरिंग के शेयर रॉकेट बन गए हैं। पटेल इंजीनियरिंग के शेयर शुक्रवार को बीएसइ में 12 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 30.89 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 5 दिन में स्मॉलकैप कंपनी के शेयरों में 16 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। विजय केडिया ने 5 तिमाहियों के बाद पटेल इंजीनियरिंग में फिर से वापसी की है। केडिया ने सिविल कंस्ट्रक्शन से जुड़ी कंपनी पटेल इंजीनियरिंग पर बड़ा दांव लगाया है। केडिया की हिस्सेदारी 1.01 पर्सेंट है। केडिया ने यह हिस्सेदारी अपनी इनवेस्टमेंट फर्म केडिया सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के जरिए खरीदी है। इससे पहले, केडिया की पटेल इंजीनियरिंग में 1.42 पर्सेंट हिस्सेदारी थी। विजय केडिया जून 2024 में पटेल इंजीनियरिंग से बाहर हो गए थे। सिविल कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी पटेल इंजीनियरिंग के शेयर पिछले एक साल में 37 पर्सेंट टूट गए हैं। पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 16 जनवरी 2025 को 48.91 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 16 जनवरी 2026 को 30.89 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 6 महीने में पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों में 20 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, इस साल अब तक सिविल कंस्ट्रक्शन कंपनी के शेयर 8 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 51.86 रुपये है।

एप्पल की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, लग सकता है 34.33 लाख करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। आईफोन बनाने वाली अमेरिकी दिग्गज कंपनी एप्पल की भारत में परेशानियां बढ़ सकती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने एंटी–ट्रस्ट मामले में एप्पल को आखिरी चेतावनी दी है। आरोप है कि कंपनी पिछले एक साल से ज्यादा समय से सरकारी अधिकारियों को जरूरी जवाब नहीं दे रही है और जांच प्रक्रिया में सहयोग नहीं कर रही। एप्पल को आशंका है कि अगर प्रतिस्पर्धा आयोग ने उसके ग्लोबल टर्नओवर के आधार पर जुर्माना तय किया, तो उस पर करीब 38 अरब डॉलर यानी लगभग 34,33,69,90,00,000 (34.33 लाख करोड़) का भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। जांच में यह बात सामने आई है कि एप्पल ने अपने ऐप स्टोर पर अपनी मजबूत स्थिति का दुरुपयोग किया। हालांकि कंपनी ने इन आरोपों से इनकार किया है। यह मामला फिलहाल दिल्ली हाई कोर्ट में विचाराधीन है। 31 दिसंबर के एक गोपनीय आदेश से खुलासा हुआ है कि एप्पल ने कोर्ट में चल रहे जुर्माने के नियमों के विवाद के दौरान पूरे एंटी–ट्रस्ट केस पर रोक लगाने की कोशिश की थी। हालांकि, सीसीआई ने कंपनी की इस मांग को खारिज कर दिया। सीसीआई के अनुसार, अक्टूबर 2024 में एप्पल से जांच के निष्कर्षों पर आपत्तियां दर्ज करने और जुर्माने के आकलन के लिए जरूरी वित्तीय जानकारी देने को कहा गया था। इसके बावजूद एप्पल को कई बार समय देने के बाद भी कंपनी ने आवश्यक विवरण उपलब्ध नहीं कराए। इस मामले पर एप्पल ने कोई जवाब नहीं दिया।

मिडिल ईस्ट तनाव कम होने से थमी तेल कीमतों की गिरावट

इसकी वजह अमेरिका की ओर से यह संकेत मिलना है कि फिलहाल ईरान पर सैन्य कार्रवाई टाली जा सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी। जून के बाद सबसे बड़ी गिरावट देखने के बाद कच्चे तेल की कीमतें स्थिर हो गई हैं। इसकी वजह अमेरिका की ओर से यह संकेत मिलना है कि फिलहाल ईरान पर सैन्य कार्रवाई टाली जा सकती है। ईरान पर अमेरिकी हमले की आशंका बढ़ने के बीच दो सत्रों में तेल की कीमतों में करीब 6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी।

गुरुवार को 4.6 फीसदी की बड़ी गिरावट के बाद वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 59 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करता दिखा, जबकि ब्रेंट क्रूड 64 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू

ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ईरान पर हमले की योजना को फिलहाल टालने का आग्रह किया है। इस घटनाक्रम से यह संभावना कम हो गई है कि अमेरिका ईरान में जारी हिंसक प्रदर्शनों पर तुरंत सैन्य प्रतिक्रिया देगा। अगर ऐसा होता, तो शिपिंग रूट्स और तेल उत्पादन में बाधा आ सकती थी।

मिडिल ईस्ट में बढ़ रही है अमेरिकी सैन्य मौजूदगी

हालांकि, अमेरिका मिडिल ईस्ट में अपनी सैन्य मौजूदगी लगातार बढ़ा रहा है। आने वाले दिनों में अतिरिक्त सैन्य उपकरण क्षेत्र में भेजे जाने की उम्मीद है और कम से कम एक एयरक्राफ्ट कैरियर पहले ही रास्ते में है। इसी बीच, ट्रैफिगुरा ग्रुप लैटिन अमेरिकी देश से अपना पहला ऑयल कार्गो कुराकाओ स्थित स्टोरेज फैसिलिटी में उतारने की तैयारी में है। यह कदम अमेरिका सरकार की उस रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके तहत तेल बैरल्स की मार्केटिंग को नियंत्रित किया जा रहा है। कैरिबियन क्षेत्र में अमेरिका प्रतिबंधित जहाजों के इस्तेमाल को लेकर सख्ती बढ़ा रहा है। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के पास छठे ऑयल टैंकर को जब्त कर लिया है। विश्लेषकों के मुताबिक, 8 जनवरी से तेल की कीमतों में आई तेजी के बाद इस हफ्ते के अंत तक बाजार में ज्यादा हलचल की उम्मीद नहीं है। इसकी बड़ी वजह यह चिंता है कि अमेरिका ओपेक के चौथे सबसे बड़े तेल उत्पादक देश को निशाना बना सकता है, जिससे रोजाना 30 लाख बैरल से ज्यादा उत्पादन खतरे में पड़ सकता है। इसके अलावा, वेनेजुएला में जारी राजनीतिक अस्थिरता और ब्लैक सी क्षेत्र से कजाखस्तान के तेल निर्यात में रुकावट ने भी कीमतों को सहारा दिया है।

अडानी की 2 कंपनियों पर बदला मूडीज का मूड, अब फोकस में रहेंगे ग्रुप के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने अडानी ग्रुप की दो कंपनियों को गुड न्यूज दी है। दरअसल, मूडीज ने गुरुवार (15 जनवरी) को अडानी ट्रांसमिशन स्टेप-वन लिमिटेड और अडानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड के आउटलुक को नेगेटिव से स्टेबल कर दिया है। एजेंसी ने कहा कि उम्मीद है कि अगले 12-18 महीनों में दोनों कंपनियां लिक्विडिटी और क्रेडिट प्रोफाइल तक मजबूत पहुंच बनाए रखेंगी, जो उनकी इन्वेस्टमेंट-ग्रेड रेटिंग के मुताबिक होगी।

रेटिंग एजेंसी ने एटीएसओएल और एईएमएल की बीएए3 सीनियर सिक्योर्ड रेटिंग्स को बरकरार रखा और एईएमएल के (पी)बीएए3 सीनियर सिक्योर्ड मीडियम-टर्म नोट प्रोग्राम की भी पुष्टि की। इस पॉजिटिव खबर के बीच अब शुक्रवार को अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों पर निवेशकों की नजर रहेगी। बता दें कि गुरुवार को मकरसंक्रांति की वजह से शेयर बाजार बंद था।

रेटिंग एजेंसी ने ये भी कहा कि अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड से अगले 12-18 महीनों में लिक्विडिटी और क्रेडिट प्रोफाइल को अपनी रेटिंग के हिसाब से बनाए रखने की उम्मीद है। एजेंसी ने कहा कि ,क्क्स्श्चं की मजबूत फाइनेंशियल प्रोफाइल को उसके प्लान किए गए ग्रोथ कैपिटल खर्च के विवेकाधीन नेचर और फंडिंग तक लगातार पहुंच से सपोर्ट मिलता है। मूडीज ने कहा कि वह अडानी ग्रुप की एक और कंपनी के सीनियर एग्जीक्यूटिव्स से जुड़े अमेरिका में चल रहे कानूनी मामलों पर नजर रखेगा। इसके साथ ही चेतावनी दी कि कोई भी बड़ा नेगेटिव डेवलपमेंट ग्रुप की कैपिटल तक पहुंच और ग्रोथ के लक्ष्यों को पूरा करने की क्षमता पर असर डाल सकता है। मूडीज ने कहा कि सॉवरेन रेटिंग में सुधार के बिना रेटिंग अपग्रेड की संभावना नहीं है, जबकि क्रेडिट मेट्रिक्स में लगातार कमजोरी या कानूनी मामलों के खराब नतीजों से लिक्विडिटी या ऑपरेशंस पर असर पड़ने पर रेटिंग डाउनग्रेड हो सकती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)